website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 282 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 19 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री से की बात, कहा- भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की अंतरिम सरकार की पीएम सुशीला कार्की से फोन पर बातचीत की। उन्होंने हाल ही में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान जान गंवाने वालों के परिवारों को प्रति संवेदनाएं व्यक्त की और शांति तथा स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों में भारत के समर्थन को दोहराया।

पीएम मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सुशीला कार्की के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। हाल की दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को मेरी गहरी संवेदनाएं। शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों में भारत के निरंतर समर्थन की बात दोहराई।"

पीएम मोदी ने नेपाल के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सुशीला कार्की और नेपाल के लोगों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, "मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को उनके राष्ट्रीय दिवस पर शुभकामनाएं दीं।"

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री बनने पर शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण करने पर सुशीला कार्की को हार्दिक शुभकामनाएं। नेपाल के भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।"

बता दें कि सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। बीते शनिवार को उनके नाम का ऐलान हुआ और उसी शाम सुशीला कार्की को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई। अंतरिम सरकार के गठन के साथ नेपाल की संसद को भंग करते हुए आम चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया गया है।

नेपाल में यह सत्ता-परिवर्तन 'जेन-जी' आंदोलन के बाद हुआ है, जिन्होंने केपी शर्मा ओली की सरकार को गिराया। 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध के खिलाफ नेपाल के युवाओं ने अपना विरोध शुरू किया था, लेकिन यह विरोध हिंसक प्रदर्शन में बदल गया था। केपी शर्मा ओली की सरकार के कई मंत्रियों के घर फूंक दिए गए थे। यहां तक कि इस आंदोलन के दबाव में केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चुनावी रणनीति पर हुई चर्चा

बिहार (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब 20 से 25 मिनट तक बातचीत हुई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों नेताओं के बीच बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीतियों को लेकर चर्चा हुई।

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तमाम राजनीतिक दल अब चुनावी समर में उतरने से पहले की अंतिम तैयारी में जुटे हैं। इस कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री बुधवार रात पटना पहुंचे हैं। पटना पहुंचने के बाद देर रात उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक लंबी चर्चा की। इसके बाद गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनसे मुलाकात की।

सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भाजपा के नेताओं के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा की थी। बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। अमित शाह ने हर स्तर पर चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा।

अपने बिहार दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री गुरुवार को ही डेहरी ऑनसोन और बेगूसराय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और चुनाव की रणनीतियों को लेकर चर्चा करेंगे। दोनों बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों के साथ-साथ संगठन और स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इसके अलावा, संबंधित जिलों के प्रभारी भी भाग लेंगे।

बताया जा रहा है कि अलग-अलग होने वाली इन बैठकों में चुनावी रणनीति पर मंथन होगा, चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों का मानना है कि इस बैठक में बूथ सशक्तिकरण को लेकर मुख्य फोकस किया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देंगे और उत्साह बढ़ाने का भी काम करेंगे। चुनाव के लिहाज से गृह मंत्री अमित शाह के इस बिहार दौरे को काफी अहम माना जा रहा है।

चमोली आपदा: सीएम धामी ने की समीक्षा बैठक, राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

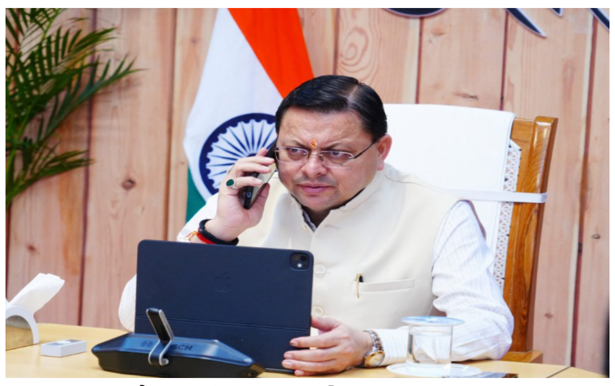

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड में चमोली जिले के नंदानगर घाट क्षेत्र में बादल फटने से मची तबाही के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार सुबह अपने सरकारी आवास पर हुई बैठक में अतिवृष्टि से हुए नुकसान और आपदा राहत कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी से बात कर स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, राहत कार्यों में तेजी लाने, घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने तथा प्रभावितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हर जानकारी आप लोग देते रहेंगे। आपदा प्रबंधन विभाग को अतिशीघ्र प्रभावित क्षेत्र के स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। बुधवार देर रात हुई भीषण बारिश के कारण नंदा नगर में भारी मलबा आ गया, जिससे 6 इमारतों को नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बादल फटने के बाद कई निवासी अभी भी अपने घरों में फंसे हुए हैं।

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में चमोली में और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने आपदा के बाद युद्ध स्तर पर बचाव कार्य तेज कर दिया है। एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) और एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमें प्रभावितों को बचाने और राहत प्रदान करने में लगी हुई हैं। प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और प्रशासन से संपर्क बनाए रखने को कहा है, जिससे किसी भी स्थिति में लोगों को सुरक्षित बचाया जा सके।

इससे पहले सीएम धामी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, "जनपद चमोली के नंदानगर घाट क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि से आसपास के घरों को क्षति पहुंचने की दुखद सूचना प्राप्त हुई है। स्थानीय प्रशासन, एसडीआरएफ व पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं। इस संबंध में निरंतर प्रशासन से संपर्क में हूं और स्वयं स्थिति की गहन निगरानी कर रहा हूं। ईश्वर से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।"

उत्तरी गाजा में अस्पतालों पर खतरा, विस्थापितों के लिए हालात असहनीय- डब्ल्यूएचओ चीफ

गाजा (एजेंसी)। उत्तरी गाजा पर इजरायल की ओर से हो रहे हमलों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने फिक्र जताई है। उन्होंने वर्तमान हालात को मानवीय गरिमा के लिए अनुपयुक्त बताया है। डब्ल्यूएचओ चीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा कि सेना से घिरे गाजा शहर के अस्पताल "ध्वस्त होने की कगार पर" हैं, क्योंकि इजरायल का हालिया जमीनी आक्रमण अपने तीसरे दिन में प्रवेश कर गया है।

हमला विस्थापन के नए संकट को जन्म दे रहा है

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि यह हमला "विस्थापन के नए संकट को जन्म दे रहा है, जिससे पीड़ित परिवारों को लगातार सिकुड़ते हुए ऐसे क्षेत्र में जाने को मजबूर होना पड़ रहा है जो मानवीय गरिमा के लिहाज से उपयुक्त नहीं है।" उन्होंने कहा, "घायल और दिव्यांग सुरक्षित स्थानों पर नहीं जा सकते, जिससे उनकी जान को खतरा है।"

वर्तमान हालात की वजह से डब्ल्यूएचओ जरूरी सामग्री भी पीड़ित लोगों तक पहुंचा नहीं पा रहा है

डब्ल्यूएचओ चीफ ने आगे कहा, "वर्तमान हालात की वजह से डब्ल्यूएचओ जरूरी सामग्री भी पीड़ित लोगों तक पहुंचा नहीं पा रहा है। हिंसा के कारण विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंच मुश्किल हो गई है। हम इन अमानवीय परिस्थितियों को तत्काल समाप्त करने की अपील करते हैं। युद्धविराम का आह्वान करते हैं।" टेक्स्ट के साथ टेड्रोस ने एक वीडियो क्लिप भी शेयर की है जो 12 सितंबर की है। इसमें दिख रहे लोग अचानक हुए विस्थापन का दर्द साझा कर रहे हैं। कह रहे हैं कि जैसे ही हम व्यवस्थित होने लगते हैं, वैसे ही वहां से हटने का आदेश आ जाता है।

हमास को जड़ से खत्म करने और गाजा सिटी पर कब्जा करने के इरादे का ऐलान आईडीएफ ने अगस्त में ही कर दिया था

हमास को जड़ से खत्म करने और गाजा सिटी पर कब्जा करने के इरादे का ऐलान आईडीएफ ने अगस्त में ही कर दिया था। अपनी मंशा को पूरा करने के लिए हाल ही में सैन्य अभियान चलाया। गाजावासियों के निकलने के लिए एक अस्थायी रूट को भी खोला गया था, जिससे वे अपनी जान बचा कर इलाके से भाग सकें। सैनिक प्रवक्ता अविचाय अद्रई ने निवासियों से दक्षिण की तरफ जाने के लिए इस गलियारे का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था।

भारत-चिली ने बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चिली ने अपने बहुआयामी रिश्तों को गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। नई दिल्ली में आयोजित चिली के राष्ट्रीय दिवस समारोह में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

सिबी जॉर्ज ने चिली के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, "सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने चिली के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक की हालिया मुलाकातों में तय रोडमैप के अनुरूप भारत-चिली साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।"

भारत-चिली दोस्ती हो रही है और मजबूत

जुलाई 2025 में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक से मुलाकात की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई। भारत-चिली दोस्ती और मजबूत हो रही है।"

दोनों देशों के बीच संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

इससे पहले अप्रैल 2025 में राष्ट्रपति बोरिक ने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की राजकीय यात्रा की थी, जिसमें व्यापार, सांस्कृतिक संबंध और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर चर्चा हुई। यह यात्रा दोनों देशों के बीच 1949 में स्थापित राजनयिक संबंधों के 76 वर्ष पूरे होने का प्रतीक रही। दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन सुधार और स्वच्छ प्रौद्योगिकी जैसे समसामयिक मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण की सराहना की। पीएम मोदी ने 'ग्लोबल साउथ की आवाज' सम्मेलनों में चिली की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की, जबकि राष्ट्रपति बोरिक ने ग्लोबल साउथ के बीच सहयोग बढ़ाने में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को सराहा।

यह साझेदारी व्यापार, संस्कृति और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग के माध्यम से दोनों देशों के बीच संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गाजा में हालात बहुत खराब, भारत मजबूती से रखे अपना पक्ष- एम के स्टालिन

तमिलनाडु (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने गाजा में चल रहे मानवीय संकट पर चिंता जताई। उन्होंने दुनियाभर के देशों से गाजा पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि गाजा में हालात बहुत खराब हैं, दुनिया को इस पर ध्यान देना चाहिए।

गाजा के खराब हालात पर दुनिया को ध्यान देना चाहिए

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावनात्मक पोस्ट में लिखा, "गाजा में हालात बहुत खराब हैं, दुनिया को इस पर ध्यान देना चाहिए। मैं गाजा में हो रहे अत्याचारों से स्तब्ध हूं। हर दृश्य दिल दहलाने वाला है। बच्चों की चीखें, भूखे बच्चे, अस्पतालों पर बमबारी और संयुक्त राष्ट्र की जांच समिति द्वारा नरसंहार की घोषणा, यह सब उस पीड़ा को दर्शाता है, जो किसी भी इंसान को नहीं झेलनी चाहिए।"

चुप रहना विकल्प नहीं

सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा, "जब इस तरह बेगुनाह लोगों की जान जा रही है, तो चुप रहना विकल्प नहीं है। हर इंसान की अंतरात्मा को जागना होगा। भारत को मजबूती से बोलना चाहिए, दुनिया को एकजुट होना चाहिए और हम सबको मिलकर इस अत्याचार को अभी खत्म करना चाहिए।"

गाजा में 65,000 से ज्याकदा लोग मारे गए

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में इजरायली हवाई हमलों और गोलीबारी में 65,000 से ज्याकदा लोग मारे गए हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने गाजा को 'कब्रिस्तान' बताते हुए इजरायली अधिकारियों की बयानबाजी पर आपत्ति जताई थी। वोल्कर तुर्क ने कहा था, "मैं वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों द्वारा खुलेआम नरसंहार को लेकर की जा रही बयानबाजी और फिलिस्तीनियों के साथ किए गए शर्मनाक अमानवीय व्यवहार से खौफजदा हूं।"

क्षेत्र शांति की गुहार लगा रहा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त ने कहा कि 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल में हमास के अटैक के बाद युद्ध छिड़ा और अब लगभग दो साल बाद, 'यह क्षेत्र शांति की गुहार लगा रहा है।'

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव: मतदान शुरू, शुक्रवार को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय के 50 से अधिक कॉलेजों और विभागों के करीब 2.75 लाख छात्र अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। मतदान प्रक्रिया दो पालियों में हो रही है—पहली पाली सुबह 8:30 बजे शुरू हुई, जबकि दूसरी पाली दोपहर से शाम 7:30 बजे तक चलेगी।

इस चुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस समर्थित नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और भाजपा समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बीच है। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी और लेफ्ट समर्थित छात्र संगठन भी मैदान में हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के 52 कॉलेजों में अलग-अलग मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

उम्मीदवारों का पैनल

एबीवीपी ने अध्यक्ष पद के लिए आर्यन मान, उपाध्यक्ष पद के लिए गोविंद तंवर, सचिव पद के लिए कुणाल चौधरी और सह-सचिव पद के लिए दीपिका झा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, एनएसयूआई की ओर से अध्यक्ष पद पर जोश्लिन नंदिता चौधरी, उपाध्यक्ष पद पर राहुल झांसला, सचिव पद पर कबीर और सह-सचिव पद पर लव कुश बधाना मैदान में हैं।

मतगणना और नतीजे

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, मतगणना 19 सितंबर को सुबह 9 बजे शुरू होगी और देर शाम तक पूरी होने की उम्मीद है। नतीजों की घोषणा उसी दिन की जाएगी। मतगणना प्रक्रिया सीसीटीवी की निगरानी में होगी, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

छात्र संगठनों का दावा

सभी छात्र संगठन अपनी जीत का दावा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह चुनाव छात्रों के मुद्दों, जैसे शिक्षा, सुविधाएं और कैंपस विकास, पर केंद्रित है। डूसू चुनाव दिल्ली की छात्र राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है और इसके परिणाम पर सबकी नजरें टिकी हैं।

ल्यूपिन को यूएस एफडीए से जेनेरिक कैंसर दवा की मंजूरी

नई दिल्ली। फार्मा कंपनी ल्यूपिन को यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (USFDA) से लेनालिडोमाइड कैप्सूल (2.5-25mg) के लिए मंजूरी मिल गई है। यह दवा खासतौर पर मल्टीपल मायलोमा (घातक रक्त कैंसर) के वयस्क मरीजों के लिए है और डेक्सामेथासोन के साथ मिलकर मेनटेनेंस थैरेपी में उपयोगी होगी। यह कैप्सूल अमेरिकी कंपनी ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब के रेवलिमिड का जेनेरिक वर्जन है और इसका निर्माण ल्यूपिन के पीथमपुर (मध्य प्रदेश) प्लांट में होगा। कंपनी ने कहा कि यह किफायती विकल्प साबित होगा।

चुनाव आयोग का राहुल गांधी को जवाब, कहा- वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं किया जा सकता, आरोप आधारहीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों को निराधार और गलत बताते हुए उनका खंडन किया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि ऑनलाइन वोट डिलीशन संभव नहीं है और किसी मतदाता को सुनवाई का मौका दिए बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता है।

राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई

कांग्रेस सांसद की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने कहा, "किसी भी आम नागरिक की तरफ से किसी भी वोट को ऑनलाइन नहीं हटाया जा सकता, जैसा कि राहुल गांधी ने गलत धारणा बनाई है। प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिए बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता।"

चुनाव आयोग ने जवाब दिया

आलंद निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के वोट हटाने के आरोपों पर चुनाव आयोग ने जवाब दिया, "2023 में आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए स्वयं चुनाव आयोग की ओर से एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आलंद में चुनाव निष्पक्ष परिणाम दर्शाते हैं, जिसमें 2018 में भाजपा के सुभाध गुट्टेदार और 2023 में कांग्रेस के बीआर पाटिल जीते।"

राहुल गांधी ने लगाए आरोप

इससे पहले, राहुल गांधी ने आरोप लगाए कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मतदाता सूची से नाम हटाने के मामले में शामिल लोगों को बचा रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक के आलंद और महाराष्ट्र के राजुरा निर्वाचन क्षेत्रों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सॉफ्टवेयर प्रोग्राम का इस्तेमाल करके पूरे देश में व्यवस्थित रूप से मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी का दावा

राहुल गांधी ने दावा किया कि कर्नाटक सीआईडी ने पिछले 18 महीनों में चुनाव आयोग को 18 बार पत्र लिखकर मतदाताओं के नाम हटाने से संबंधित तकनीकी विवरण मांगा था, लेकिन चुनाव आयोग ने जानकारी साझा नहीं की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वे जल्द 'वोट चोरी' पर सबूतों का एक 'हाइड्रोजन बम' लेकर आएंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

झांसे से युद्ध में झोंके जा रहे भारतीय युवा: मानव तस्करी का खतरनाक खेल

बेहतर नौकरी और उच्च शिक्षा की उम्मीद में विदेश जाने की चाह हर युवा के दिल में होती है। खासतौर पर छोटे कस्बों और गांवों से आने वाले छात्र और बेरोजगार युवा अक्सर विदेश में चमकते भविष्य का सपना लेकर कदम आगे बढ़ाते हैं। लेकिन यह सपना जब धोखे और झूठ के सहारे किसी खतरनाक हकीकत में बदल जाए तो न केवल उन युवाओं के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन जाता है। हाल ही में सामने आई खबरें इसी ओर इशारा करती हैं कि नौकरी और पढ़ाई का लालच देकर भारतीय युवाओं को रूस ले जाया जा रहा है और वहां उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध में जबरन शामिल किया जा रहा है। यह घटना केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं है, बल्कि मानव तस्करी का वह काला अध्याय है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। सोचिए, कोई युवा अपने परिवार का सहारा बनने या पढ़ाई पूरी कर एक सफल करियर बनाने के इरादे से विदेश जाता है, लेकिन वहां उसका इस्तेमाल बंदूक उठाने और युद्ध लड़ने के लिए किया जाए—तो यह किसी भी समाज और राष्ट्र के लिए असहनीय स्थिति है। यह बात भी सामने आई है कि जिन युवाओं को नौकरी और स्टूडेंट वीजा का भरोसा देकर रूस बुलाया गया, उन्हें अचानक सैन्य प्रशिक्षण देकर मोर्चे पर भेज दिया गया। उनके सामने न तो वापसी का रास्ता था और न ही अपने अधिकारों की रक्षा करने का कोई अवसर। इस पूरे मामले ने भारत सरकार को भी गहरी चिंता में डाल दिया है। विदेश मंत्रालय ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए उन युवाओं को स्वदेश लाने के प्रयास शुरू किए हैं। यह संतोषजनक पहल है क्योंकि जबरन भर्ती किए गए युवाओं के वीडियो सामने आने से साफ हो गया कि वे मदद की गुहार लगा रहे हैं। उनकी आवाज़ भारत सरकार तक पहुँचना और उसके बाद ठोस कदम उठाया जाना यह दिखाता है कि सरकार इस मसले को गंभीरता से ले रही है। भारत ने न केवल रूस को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीयों की सेना में जबरन भर्ती अस्वीकार्य है, बल्कि हाल ही में एक एडवाइजरी भी जारी की है। इस एडवाइजरी में साफ कहा गया कि किसी भी भारतीय को ऐसे झांसों में नहीं आना चाहिए जिनके तहत नौकरी, पढ़ाई या वीजा के नाम पर उन्हें रूस ले जाकर सेना में शामिल किया जाता है। यह चेतावनी इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्धों में अक्सर गरीब और बेरोजगार युवाओं को लालच देकर मोहरा बनाया जाता है। मानव तस्करी की यह नई शैली बेहद खतरनाक है। पारंपरिक तस्करी में जहां लोगों को मजदूरी, जबरन काम या यौन शोषण के लिए बेचा जाता था, वहीं अब युवाओं को युद्ध की भट्टी में झोंकने की साजिशें रची जा रही हैं।

एसआरएस रिपोर्ट 2023: भारत की कुल प्रजनन दर 1.9 पर, बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर और विकास नीतियों के संकेत

-कुल प्रजनन दर (TFR) क्या है और इसका महत्व

भारत लंबे समय से "युवा देश" कहलाता रहा है। आज भी लगभग आधी से अधिक आबादी 30 साल से कम उम्र की है। लेकिन सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2023 की रिपोर्ट ने यह संकेत दिया है कि आने वाले दशकों में भारत की जनसांख्यिकीय तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate - TFR) घटकर 1.9 पर आ गई है। यह उस प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से भी नीचे है, जिस पर आबादी स्थिर रहती है। ग्रामीण भारत में टीएफआर अब करीब 2.0 तक आ चुकी है और शहरी क्षेत्रों में तो यह लगभग 1.5 तक सिमट गई है। इसका मतलब है कि देश की आबादी आने वाले समय में तेजी से बूढ़ी होगी और कार्यशील उम्र की आबादी (15-59 वर्ष) धीरे-धीरे घटेगी। यह बदलाव केवल जनसंख्या नियंत्रण या परिवार नियोजन की सफलता का संकेत नहीं है, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, श्रम शक्ति, सामाजिक संरचना और विकास नीतियों के लिए गहरे असर डालने वाला संकेत है।

कुल प्रजनन दर (TFR) क्या है?

कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate) वह औसत संख्या है, जितने बच्चे एक महिला अपने जीवनकाल में जन्म देती है। यदि टीएफआर 2.1 है तो आबादी स्थिर रहती है। यदि यह 2.1 से अधिक है तो आबादी बढ़ती है। यदि यह 2.1 से कम है तो आबादी धीरे-धीरे घटने लगती है।

वैश्विक दृष्टि से तुलना

जापान, दक्षिण कोरिया, इटली, जर्मनी जैसे देशों में टीएफआर पहले ही 1.3 से 1.6 के बीच है। अफ्रीका और मध्य पूर्व के कई देशों में यह अब भी 3 से 5 तक है। चीन की स्थिति भारत जैसी है। वहां 1979 की एक बच्चा नीति के बाद टीएफआर गिरकर 1.2-1.3 पर आ गई है और अब सरकार प्रोत्साहन देकर भी जन्म दर नहीं बढ़ा पा रही। भारत का 1.9 का औसत बताता है कि देश अब "जनसंख्या स्थिरता" के बाद धीरे-धीरे जनसंख्या संकुचन (Population Decline) की ओर बढ़ रहा है।

भारत में जनसंख्या और प्रजनन दर का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

1950–1980 : तेज वृद्धि का दौर: आज़ादी के बाद भारत की आबादी लगभग 35 करोड़ थी। उस समय औसत प्रजनन दर 5 से 6 बच्चे प्रति महिला के आसपास थी। मृत्यु दर अधिक थी लेकिन जन्म दर उससे कहीं ज़्यादा।

1980–2000 : परिवार नियोजन और गिरावट की शुरुआत: सरकार ने परिवार नियोजन कार्यक्रम, नसबंदी अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर जोर दिया। इससे मृत्यु दर घटी और जन्म दर भी धीरे-धीरे कम होने लगी।

2000–2020 : प्रतिस्थापन स्तर के करीब: राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) और एसआरएस रिपोर्ट्स में लगातार दिखा कि भारत 2.1 के करीब पहुंच गया है। शहरी इलाकों में यह तेजी से गिरा जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ समय तक टिके रहने के बाद गिरावट दिखी।

2023 : नया मोड़: अब एसआरएस 2023 ने साफ कर दिया कि भारत ने प्रतिस्थापन स्तर को पार कर लिया है और औसत 1.9 तक पहुंच गया है।

ग्रामीण और शहरी भारत में असमानताएं

ग्रामीण क्षेत्र: अब तक ग्रामीण भारत "जनसंख्या वृद्धि" का प्रमुख कारण था। 2023 में पहली बार ग्रामीण टीएफआर करीब 2.0 तक आ गया। इसका मतलब है कि गांवों में भी परिवार छोटे हो रहे हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का असर दिख रहा है।

शहरी क्षेत्र: शहरों में यह दर 1.5 पर है। उच्च शिक्षा, रोजगार में महिलाओं की भागीदारी, महंगाई, बच्चों की परवरिश की लागत, छोटे घर और जीवनशैली—ये सभी कारण तेजी से जन्म दर घटा रहे हैं।

जनसांख्यिकीय लाभांश और उसका भविष्य

भारत पिछले दो दशकों से "Demographic Dividend" यानी कार्यशील आयु की बड़ी आबादी का लाभ उठा रहा है। अभी भी भारत की 65% आबादी 35 वर्ष से कम है। लेकिन यदि प्रजनन दर घटती रही तो 20-30 साल बाद भारत भी "Ageing Society" बन जाएगा। कार्यशील आबादी घटेगी और बुजुर्गों की संख्या बढ़ेगी। यह स्थिति जापान और यूरोप जैसी हो सकती है जहां वृद्ध आबादी के कारण पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं और श्रम शक्ति की कमी बड़ी समस्या बन चुकी है।

प्रजनन दर में गिरावट के प्रमुख कारण

शिक्षा और जागरूकता – महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि से विवाह की उम्र बढ़ी और बच्चों की संख्या घटी। स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार – शिशु मृत्यु दर घटने से माता-पिता अब अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। शहरीकरण और जीवनशैली – शहरों में छोटे परिवार ही प्रचलित हैं। रोज़गार और करियर प्राथमिकता – महिलाएं नौकरी और करियर पर ध्यान देती हैं, देर से शादी करती हैं और कम बच्चे चाहती हैं। आर्थिक दबाव – बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और परवरिश महंगी होती जा रही है। सरकारी योजनाएं – परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता और जागरूकता ने असर डाला।

सामाजिक और आर्थिक असर

श्रम शक्ति पर असर: भविष्य में काम करने वालों की संख्या घटेगी। उद्योगों और कृषि को पर्याप्त श्रमिक नहीं मिल पाएंगे। उत्पादन क्षमता और आर्थिक विकास दर प्रभावित हो सकती है।

शिक्षा और स्वास्थ्य: कम बच्चे होने से परिवार शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक निवेश कर पाएंगे। लेकिन भविष्य में बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य व्यय का बोझ बढ़ेगा।

सामाजिक संरचना: "संयुक्त परिवार" की जगह "छोटे परिवार" और "एकल परिवार" बढ़ेंगे। बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी कम होती पीढ़ी पर भारी पड़ेगी।

आर्थिक विकास मॉडल: भारत का विकास "जनसंख्या लाभ" पर आधारित था। अब नीतियां बदलकर उत्पादकता वृद्धि, टेक्नोलॉजी, नवाचार और कौशल विकास पर आधारित करनी होंगी।

क्षेत्रीय असमानता: उत्तर बनाम दक्षिण

दक्षिण भारत (केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना) – यहां टीएफआर पहले से ही 1.6–1.7 के बीच है। उत्तर भारत (बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान) – अब भी 2.1–2.4 के आसपास है। लेकिन गिरावट की गति यहां भी तेज है। इसका अर्थ है कि भविष्य में भारत की आबादी का दबाव केवल उत्तर भारत में केंद्रित रहेगा जबकि दक्षिण भारत "बूढ़ा समाज" बन जाएगा।

नीति और चुनौतियां

श्रम शक्ति की कमी से निपटना: कौशल विकास, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर निवेश बढ़ाना होगा। महिला श्रम भागीदारी को प्रोत्साहित करना होगा।

बुजुर्ग आबादी की देखभाल: सामाजिक सुरक्षा, पेंशन और स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना होगा। "Ageing Policy" बनानी होगी।

संतुलित जनसंख्या नीति: भारत को अब "जनसंख्या नियंत्रण" की जगह "जनसंख्या संतुलन" नीति अपनानी चाहिए। बहुत अधिक गिरावट को रोकने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जरूरत पड़ सकती है, जैसे यूरोप और चीन में आज हो रहा है।

क्षेत्रीय असमानता दूर करना: उत्तर भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर जोर देकर जनसंख्या संतुलित की जा सकती है।

भविष्य की तस्वीर

2036–2040 तक भारत की आबादी 160–165 करोड़ के आसपास चरम पर पहुंचेगी। उसके बाद धीरे-धीरे स्थिर होकर घटने लगेगी। 2050 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या आज की तुलना में दोगुनी हो जाएगी।

नियम-कायदों की अनदेखी से एम्बुलेंस सेवाएं बन रहीं जानलेवा

-एम्बुलेंस – मरीज की लाइफलाइन या जानलेवा सफर?

जीवन रक्षा के लिए समय से इलाज मिलना सबसे अहम होता है। किसी भी गंभीर रूप से बीमार या घायल मरीज को अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने का काम एम्बुलेंस करती है। यही वजह है कि एम्बुलेंस को स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। लेकिन दुखद और चिंताजनक सच्चाई यह है कि राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में एम्बुलेंस सेवाओं की हालत बेहद खस्ता है। आज भी सड़कों पर दौड़ती अनेक एम्बुलेंसें कबाड़ से कम नहीं हैं। इनका तकनीकी स्तर इतना खराब है कि इनमें बैठकर अस्पताल पहुंचना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। कहीं बीच रास्ते पेट्रोल खत्म हो जाता है, तो कहीं ऑक्सीजन सिलेंडर खाली मिलता है। कभी दरवाजा जाम हो जाता है तो कभी स्ट्रेचर टूटा हुआ। ऐसे हालात में सवाल यह उठता है कि आखिर जिन वाहनों को मरीजों की "लाइफलाइन" कहा जाता है, वे खुद मौत का सबब क्यों बन रहे हैं?

जयपुर का दर्दनाक मामला – ऑक्सीजन खत्म, महिला की मौत

राजधानी जयपुर के सांगानेर इलाके में हाल ही में हुई घटना ने एम्बुलेंस सेवाओं की बदहाली की पोल खोल दी। यहां एक महिला मरीज को अस्पताल ले जाया जा रहा था। एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर लगाया गया था, लेकिन वह खाली निकला। नतीजा यह हुआ कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला की मौत हो गई। यह मामला सिर्फ एक उदाहरण है, वरना आए दिन ऐसी घटनाएं राज्य के अलग-अलग हिस्सों से सुनने को मिलती रहती हैं। यहां यह सवाल उठता है कि जिस एम्बुलेंस में मरीज की जान बचाने का इंतजाम होना चाहिए, वही मरीज की जान लेने का कारण क्यों बन रही है? आखिर इन गाड़ियों की फिटनेस जांच कौन करता है? और अगर करता भी है तो इतनी खराब हालत वाली गाड़ियां सड़क पर कैसे दौड़ रही हैं?

खटारा एम्बुलेंस – आम नज़ारा बन गई है लापरवाही

ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी ज्यादा खराब हैं। वहां अक्सर मरीजों और उनके परिजनों को किसी कबाड़ जैसी एम्बुलेंस में सफर करना पड़ता है। कई वाहनों की सीटें फटी हुई हैं। एसी या कूलिंग सिस्टम बंद पड़े हैं। स्ट्रेचर टूटा हुआ या जंग लगा हुआ है। ऑक्सीजन सिलेंडर नदारद रहता है। इमरजेंसी उपकरण काम नहीं करते। ऐसे वाहनों में सफर करना खुद एक खतरे का सफर है। मरीज की स्थिति संभलने के बजाय और बिगड़ जाती है। खासकर गर्मी के दिनों में, बिना वेंटिलेशन और खराब हालत वाली एम्बुलेंस मरीज की तकलीफ को दोगुना कर देती है।

प्रशिक्षित स्टाफ का टोटा

एम्बुलेंस में सिर्फ गाड़ी होना ही काफी नहीं है। उसमें प्रशिक्षित स्टाफ का होना अनिवार्य है। एक पैरामेडिकल तकनीशियन या प्रशिक्षित नर्स को साथ होना चाहिए, ताकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही मरीज की स्थिति को स्थिर किया जा सके। लेकिन हकीकत यह है कि अनेक एम्बुलेंसों में कोई प्रशिक्षित स्टाफ नहीं रहता। ड्राइवर ही मरीज को संभालने से लेकर परिजनों से पैसे लेने तक का काम करता है। नतीजा यह होता है कि इमरजेंसी की हालत में मरीज को अस्पताल तक पहुंचते-पहुंचते गंभीर नुकसान झेलना पड़ता है।

मनमाना किराया और मनमानी वसूली

एम्बुलेंस सेवाओं का एक और काला सच है – मनमानी वसूली। कई निजी एम्बुलेंस संचालक मरीजों के परिजनों से मनमाना किराया वसूलते हैं। अगर लंबा रास्ता हो तो किराया कई गुना बढ़ा दिया जाता है। ऑक्सीजन सिलेंडर, स्ट्रेचर या इमरजेंसी उपकरण का अलग से चार्ज लिया जाता है। सोचिए, जब किसी घर का मरीज जिंदगी और मौत से जूझ रहा होता है, उस वक्त परिवार मजबूरी में चाहे जो भी रकम देने को तैयार हो जाता है। इस लाचारी का फायदा उठाकर एम्बुलेंस संचालक पैसे ऐंठते हैं। यह स्थिति न केवल अनैतिक है बल्कि कानूनन भी गलत है।

सरकारी एम्बुलेंसों की भी हालत खराब

कई लोग मानते हैं कि सरकारी एम्बुलेंसें निजी की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद होती हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि सरकारी वाहनों की हालत भी किसी से कम नहीं। जयपुर के एसएमएस अस्पताल जैसी जगह, जो पूरे प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है, वहां तक की कई एम्बुलेंसें कबाड़ जैसी स्थिति में हैं।

इनमें इंजन पुराने और कमजोर, ब्रेक असुरक्षित, टायर घिसे हुए, और उपकरण खराब पड़े हैं। ऐसे में मरीज को सुरक्षित ले जाने के बजाय यह गाड़ियां कभी भी सड़क हादसे का कारण बन सकती हैं।

फिटनेस सर्टिफिकेट पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इन खटारा एम्बुलेंसों को फिटनेस सर्टिफिकेट कैसे मिल जाता है?

नियम के अनुसार, हर एम्बुलेंस का नियमित निरीक्षण होना चाहिए। तकनीकी मानकों की जांच होनी चाहिए और तभी उसे सड़क पर दौड़ने की अनुमति मिलनी चाहिए। लेकिन हकीकत यह है कि कागजों में सब कुछ दुरुस्त दिखा दिया जाता है और रिश्वत या लापरवाही के चलते फिटनेस सर्टिफिकेट जारी हो जाता है। इस तरह की लापरवाही न सिर्फ कानून की धज्जियां उड़ाती है बल्कि मरीजों की जान से सीधा खिलवाड़ है।

कानून और नियम क्या कहते हैं?

भारत में एम्बुलेंस सेवाओं के लिए कई नियम और गाइडलाइन तय हैं। हर एम्बुलेंस में स्ट्रेचर, ऑक्सीजन सिलेंडर, फर्स्ट-एड बॉक्स और बुनियादी जीवनरक्षक उपकरण होना जरूरी है। प्रशिक्षित पैरामेडिकल स्टाफ की मौजूदगी अनिवार्य है। वाहनों की समय-समय पर तकनीकी जांच की जानी चाहिए। एम्बुलेंस के लिए तय किराए का पालन होना चाहिए। जीपीएस ट्रैकिंग और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग होनी चाहिए। लेकिन समस्या यह है कि इन नियमों का पालन सिर्फ कागजों तक सीमित है। जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।

जीपीएस और रीयल-टाइम रिपोर्टिंग की जरूरत

आज जब देश डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रहा है, तो एम्बुलेंस सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ना बेहद जरूरी है। हर एम्बुलेंस में जीपीएस ट्रैकर होना चाहिए। रीयल-टाइम में उसकी लोकेशन और स्थिति मॉनिटर की जा सके। अगर ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो या उपकरण खराब हों तो तुरंत रिपोर्ट हो। कॉल सेंटर से यह जानकारी मिल सके कि एम्बुलेंस कितनी देर में पहुंचेगी। इससे न सिर्फ पारदर्शिता आएगी बल्कि मनमानी वसूली और लापरवाही पर भी रोक लगेगी।

निरीक्षण और जवाबदेही – सबसे अहम

किसी भी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सबसे जरूरी है – निरीक्षण और जवाबदेही। सरकार को तय समय पर एम्बुलेंस वाहनों का निरीक्षण करना चाहिए। जिन गाड़ियों में खामियां हों, उन्हें तुरंत सेवा से बाहर करना चाहिए। नियम तोड़ने वाले निजी संचालकों पर भारी जुर्माना और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई करनी चाहिए।

उबैदुल्ला सिंधी : ग़दर पार्टी के महान क्रांतिकारी

-क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत, उबैदुल्ला सिंधी का योगदान

भारत की आज़ादी की लड़ाई में कई ऐसे नाम हैं जिनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता। इनमें से एक महान और अद्वितीय नाम है उबैदुल्ला सिंधी। वे सिर्फ़ एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि एक विचारक, योजनाकार और रणनीतिकार भी थे। ग़दर पार्टी से जुड़कर उन्होंने विदेशों में रहकर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ बड़ी योजनाएँ बनाई और भारत को आज़ाद कराने की कोशिशों में अहम भूमिका निभाई। उनका जीवन संघर्ष, त्याग और क्रांति की मिसाल है।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

उबैदुल्ला सिंधी का जन्म 10 मार्च 1872 को सिंध प्रांत के शिकरपुर ज़िले में हुआ था। उनका असली नाम बूटाराम था और वे एक सिख परिवार में जन्मे थे। बचपन में ही उनमें ज्ञान प्राप्त करने की गहरी रुचि दिखाई देने लगी। उन्होंने परंपरागत शिक्षा के साथ धार्मिक और सामाजिक विचारों का भी गहन अध्ययन किया। बाद में इस्लाम धर्म से प्रभावित होकर उन्होंने इस्लाम कबूल किया और उनका नाम रखा गया – उबैदुल्ला सिंधी। यह परिवर्तन केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि एक नई सोच और नए जीवन की शुरुआत थी। इस घटना के बाद से उनका जीवन पूरी तरह समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित हो गया।

शिक्षा और वैचारिक विकास

उन्होंने दीनी तालीम हासिल करने के लिए दारुल उलूम देवबंद का रुख़ किया। यहां उन्होंने मशहूर उलेमा और विद्वानों से शिक्षा प्राप्त की। देवबंद का वातावरण उन्हें सिर्फ़ धार्मिक शिक्षा ही नहीं देता था, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक बदलाव का पैग़ाम भी देता था। देवबंद के विचारकों और शिक्षकों से प्रभावित होकर उबैदुल्ला सिंधी ने यह ठाना कि वे अपने जीवन को राष्ट्र की सेवा और स्वतंत्रता आंदोलन के लिए समर्पित करेंगे।

क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत

1909 के आस-पास भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों का नया दौर शुरू हुआ। बंगाल, पंजाब और महाराष्ट्र में क्रांतिकारी संगठन सक्रिय हो गए थे। इसी समय ग़दर आंदोलन की शुरुआत हुई। ग़दर आंदोलन का जन्म अमेरिका और कनाडा में रह रहे भारतीयों के बीच हुआ था। विदेशों में बसे भारतीय मज़दूर और छात्र अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ एकजुट होकर आज़ादी की जंग की योजना बना रहे थे। उबैदुल्ला सिंधी ने इस आंदोलन से खुद को जोड़ लिया। उनकी विद्वता, सोच और नेतृत्व क्षमता की वजह से वे जल्द ही ग़दर पार्टी के अहम नेता बन गए।

विदेशों की ओर रुख़

1914-15 के समय में जब पहली विश्वयुद्ध छिड़ा, तब ग़दर पार्टी ने यह अवसर समझा कि अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ युद्ध छेड़ा जाए। इसी सिलसिले में उबैदुल्ला सिंधी विदेशों की ओर निकल पड़े।

अफ़ग़ानिस्तान का सफ़र

1915 में वे अफ़ग़ानिस्तान पहुंचे और वहां उन्होंने जंग-ए-आज़ादी की योजनाओं पर काम शुरू किया। अफ़ग़ानिस्तान उस समय अंग्रेज़ों और रूस के बीच रणनीतिक महत्व रखता था। सिंधी का मक़सद था कि अफ़ग़ान हुकूमत को अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ खड़ा किया जाए।

काबुल में अस्थायी सरकार

1915 में ही काबुल में भारत की अस्थायी सरकार (Provisional Government of India) बनाई गई। राजा महेन्द्र प्रताप इसके अध्यक्ष बने और उबैदुल्ला सिंधी को गृह मंत्री बनाया गया। इस सरकार का उद्देश्य था – अंग्रेज़ों को भारत से निकालना और आज़ाद भारत की नींव रखना। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की आज़ादी के लिए विदेशों में स्थापित की गई पहली सरकार थी।

रणनीति और योजनाएँ

उबैदुल्ला सिंधी ने विदेशों में रहते हुए कई बड़ी योजनाएँ बनाईं। अफ़ग़ानिस्तान को शामिल करना – उन्होंने कोशिश की कि अफ़ग़ान बादशाह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जंग का ऐलान करें और भारत में क्रांति भड़काने में मदद करें। रूस और जर्मनी से सहयोग – सिंधी ने रूस और जर्मनी की हुकूमतों से सम्पर्क साधा। उनका मानना था कि अगर यूरोपीय ताक़तें अंग्रेज़ों के विरोध में मदद करेंगी तो भारत को आज़ादी मिल सकती है। भारतीय सैनिकों को भड़काना – उन्होंने भारतीय सैनिकों को प्रेरित करने और उन्हें अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ खड़ा करने की कोशिश की।

मुस्लिम देशों से मदद – सिंधी ने तुर्की और अन्य मुस्लिम देशों से भी सम्पर्क किया, ताकि धार्मिक और राजनीतिक स्तर पर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ माहौल तैयार हो सके।

कठिनाइयाँ और संघर्ष

हालाँकि उनकी कोशिशें उस समय पूरी तरह सफल नहीं हो पाईं। अफ़ग़ान हुकूमत ने अंग्रेज़ों का खुला विरोध करने से परहेज़ किया। जर्मनी और रूस भी अपने-अपने राजनीतिक संकटों में उलझे रहे। इसके बावजूद उबैदुल्ला सिंधी का संघर्ष जारी रहा। वे वर्षों तक विदेशों में रहे और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ रणनीति बनाते रहे।

रूस और तुर्की का सफ़र

1917 में रूस में क्रांति हो गई। बोल्शेविक क्रांति के बाद रूस का रुख़ अंग्रेज़ों के विरोध में हो गया। उबैदुल्ला सिंधी रूस गए और वहां की नई सरकार से सम्पर्क साधा। उन्होंने रूस से भारत की आज़ादी की जंग में मदद की गुहार की। बाद में वे तुर्की भी पहुंचे। यहां उन्होंने तुर्की के नेताओं से बातचीत की और भारत की आज़ादी के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिश की।

भारत वापसी और नज़रबंदी

कई साल विदेशों में रहने और संघर्ष करने के बाद उबैदुल्ला सिंधी 1939 में भारत लौटे। लेकिन अंग्रेज़ी हुकूमत ने उन्हें तुरंत नज़रबंद कर लिया। उन्हें लंबे समय तक नज़रबंदी में रखा गया। हालाँकि अब देश में स्वतंत्रता आंदोलन का नया दौर शुरू हो चुका था। गांधी, नेहरू, सुभाष चंद्र बोस और कई नेता आज़ादी की लड़ाई को आगे बढ़ा रहे थे। सिंधी ने भी इस आंदोलन को अपनी पूरी ताक़त से समर्थन दिया।

वैचारिक योगदान

उबैदुल्ला सिंधी सिर्फ़ एक क्रांतिकारी ही नहीं थे, बल्कि गहरे विचारक भी थे। उन्होंने कई विषयों पर लिखा और भारत के सामाजिक-आर्थिक सुधारों पर जोर दिया। उनका मानना था कि – भारत की आज़ादी सिर्फ़ राजनीतिक नहीं होनी चाहिए, बल्कि आर्थिक और सामाजिक बराबरी भी लानी चाहिए। शिक्षा और जागरूकता से ही जनता में क्रांति की भावना पैदा होगी। हिंदू-मुस्लिम एकता ही आज़ादी की असली ताक़त है।

अंतिम समय

लंबे संघर्ष के बाद 22 अगस्त 1944 को दिल्ली में उबैदुल्ला सिंधी का निधन हो गया। उनका जीवन भले ही कठिनाइयों और निर्वासन में बीता हो, लेकिन उन्होंने जो बीज बोए, वही आगे चलकर भारत की आज़ादी की फसल बने।

उबैदुल्ला सिंधी का योगदान

ग़दर आंदोलन और विदेशों में भारत की आज़ादी की आवाज़ बुलंद की। काबुल में अस्थायी सरकार बनाकर स्वतंत्र भारत की नींव रखी।

'सेवा पखवाड़ा' में राजस्थान ने कायम की मिसाल

-25 हजार के लक्ष्य से ज्यादा रक्तदान कर निभाया सामाजिक सरोकार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 17 सितम्बर से शुभारम्भ किये गए सेवा पखवाड़ा के तहत प्रथम दिन आयोजित रक्तदान शिविरों में राजस्थान ने लक्ष्य से अधिक रक्त एकत्र कर मिसाल कायम की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित रक्तदान शिविरों में 25 हजार यूनिट के लक्ष्य के विरुद्ध एक ही दिन में लोगों ने 27 हजार 629 यूनिट रक्तदान कर जीवन रक्षा की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दिया है। सबसे अधिक बीकानेर संभाग में 6 हजार 539 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविरों के साथ-साथ रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। इन स्वास्थ्य शिविरों में लाखों लोगों ने न केवल निःशुल्क जांच एवं उपचार सेवाओं का लाभ लिया, बल्कि रक्तदान शिविरों में बढ़चढ़ कर रक्तदान करते हुए सामाजिक सरोकारों को निभाया और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बीकानेर संभाग में 6 हजार 539, जयपुर संभाग में 6 हजार500, जोधपुर संभाग में 4 हजार 904,अजमेर संभाग में 3 हजार 225, उदयपुर संभाग में 3 हजार 148 , कोटा संभाग में 2 हजार 767 एवंभरतपुर में 546 लोगों सहित कुल 27 हजार629 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

एनीमिया स्क्रीनिंग में भी राजस्थान अव्वल—

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि 17 सितम्बर से ही संचालित स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविरों में जनसंख्या के अनुपात में एनीमिया स्क्रीनिंग में राजस्थानपहले स्थान पर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में 17 सितम्बरको आयोजित हुए स्वास्थ्य शिविरों में 50 हजार 75 किशोर-किशोरियों सहित अन्य की एनीमिया स्क्रीनिंग की गयी। प्रदेश के लिए यहएक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में महिलाओंएवं किशोरियों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की जांच और कैंसर जैसी बीमारियों की शुरूआती पहचान, एनीमिया स्क्रीनिंग,टीबी, सिकल सेल की जांच, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों के लिएटीकाकरण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा महिलाओं एवं किशोरियों के लिएमासिक धर्म स्वच्छता और पोषण से जुड़ी जानकारी व परामर्श एवं प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना में विशेष पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

सौम्या गुर्जर ने शहरी सेवा शिविर के तहत मानसरोवर जोन में आयोजित शिविर का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत गुरूवार को मानसरोवर जोन के पत्रकार रोड स्थित आनंद महल मैरिज गार्डन में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने शिविर में आ रहे लोगों के लिए पर्याप्त छाया, पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर ने इस अवसर पर आमजन से संवाद भी किया। साथ ही आयोजित शिविर का भी फीडबैक लिया। शिविर में आ रहे कईं लाभार्थियों ने महापौर को बताया कि शिविर में पर्याप्त बैठने की सुविधा सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं हैं। साथ ही आमजन की समस्या का तत्काल निस्तारण किया जा रहा है।

महापौर ने इस अवसर पर लाभार्थियों को विवाह प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, सब-डिविज़न, नाम हस्तांतरण के पत्र भी सौंपे। महापौर ने इस अवसर पर कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य है कि आमजन को उनकी जरूरत की सेवाएँ सरल, त्वरित और पारदर्शी रूप से उपलब्ध हो। लंबे समय से लंबित कार्य अब कुछ पलों में ही पूरे हो रहे हैं। जिससे नागरिकों के चेहरे पर संतोष और मुस्कान दिखाई दे रही है। शिविरों में जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीकरण, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस और सीवर कनेक्शन जैसी कईं सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह पहल आमजन को वास्तविक राहत देने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

गौरतलब है कि गुरूवार को शहरी सेवा शिविर 2025 (सेवा पखवाड़ा) के अंतर्गत् मानसरोवर जोन के वार्ड 65, 66, 67, 68, 71, 74, 83 एवं ग्राम पंचायत मुहाना, मदाऊ, गजसिंहपुरा, जगन्नाथपुरा के सम्पूर्ण राजस्व ग्राम क्षेत्र का शिविर आयोजित हुआ।

वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्रवाई कर 9 करोड़ 59 लाख की जीएसटी चोरी पकड़ी

-फर्जी चालान व ई-वे बिल से आयरन स्क्रेप की फर्जी खरीद दिखाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में बोगस, फेक फर्मो द्वारा की जा रही राजस्व क्षति रोकने के लिए राज्य कर विभाग सर्तक है। विभाग के मुख्य आयुक्त कुमार पाल गौतम के निर्देशन में इस सम्बंध निरन्तर की जा रही कार्रवाई की कड़ी में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम ने जयपुर स्थित विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया में आयरन एवं स्क्रेप का कागजी कारोबार करने वाली दो फर्मों बाबा मैटल्स तथा खण्डेलवाल एण्टरप्राईजेज पर एक साथ सर्च और सर्वे की कार्रवाई की। मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर 29 सितम्बर तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

मुख्य आयुक्त ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व विभाग ने जीएसटी पोर्टल पर दोनों फर्मो के खरीद फरोख्त संबंधी आंकड़ो का विश्लेषण किया तथा अपने गुप्त स्त्रोतों से इन फर्मो की व्यापारिक गतिविधियों की सूचना जुटाई । इस दौरान पाया गया कि दोनों फर्मो का संचालन मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा किया जा रहा है। विभागीय जांच में स्पष्ट हुआ कि महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा अपनी दोनों फर्मो में कूटरचित बोगस बिलों के आधार पर कुल 53 करोड़ 27 लाख रूपये की खरीद दिखाकर 9 करोड़ 59 लाख रूपये की राजस्व हानि की गई है। महेन्द्र खण्डेलवाल ने सुनियोजित तरीके से राज्य के बाहर स्थित आयरन एवं स्क्रेप के बोगस कारोबारियों से संबंध स्थापित किये तथा दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आगरा स्थित बोगस फर्मो से बिलों की खरीद कर आगत कर (आईटीसी) का अनुचित लाभ लेकर राजस्व की हानि की।

गौतम ने बताया कि जब विभाग ने इन फर्मों में माल की खरीद के लिए निर्मित ई-वे बिलों की गहनता से पड़ताल की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। ई-वे बिल में जिन वाहनों का नम्बर दर्ज किया गया था, उनका फर्मों के घोषित व्यवसाय स्थल, गोदाम आदि पर आगमन होना नही पाया गया। इनमें से कई वाहनो का संचालन तो राज्य के बाहर होना पाया गया। इस प्रकार मास्टरमाइंड महेन्द्र खण्डेलवाल द्वारा आगत कर दुरूपयोग (आईटीसी मिसयूज) की सोची समझी रणनीति के तहत माल की वास्तविक आपूर्ति प्राप्त किये बिना ही कूटरचित ई-वे बिलों का निर्माण किया गया और केवल कागजी संव्यवहार के द्वारा बोगस बिलों से खरीद दिखाकर मिथ्या आगत कर का लाभ प्राप्त कर राजस्व की क्षति की गई।

गौतम ने बताया कि सर्च कार्यवाही के पश्चात् बोगस कारोबारी महेन्द्र खण्डेलवाल विभाग को चकमा देकर भूमिगत हो गया। मास्टरमांइड ने अपना मोबाइल फोन बन्द कर लिया और रोज नये ठिकाने बदलता रहा। विभाग के बार-बार सम्मन जारी करने पर भी पेशी पर उपस्थित नही हुआ। जिस पर मुख्य आयुक्त के सुपरविजन में प्रवर्तन शाखा प्रथम की टीम गठित की गई और मास्टरमाइंड के सभी संभावित ठिकानों, रिश्तेदारो के घरों पर रैकी करवायी गयी। टीम के कई सदस्य बोगस ग्राहक बनकर आयरन एवं स्क्रेप कारोबारियों से सम्पर्क करते रहे। इसी बीच टीम को अपने गुप्त स्त्रोतो से किसी सामाजिक कार्यक्रम में मास्टरमाइंड के उपस्थित होने के सूचना मिली। जिस पर टीम के दो सदस्य कैटरिंग वाले बनकर कार्यक्रम में शामिल हो गये और बाकी टीम को सूचित कर अभियुक्त महेन्द्र खण्डेलवाल को आरजीएसटी/सीजीएसटी एक्ट 2017 के प्रावधानो के तहत राजस्व चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार कर आर्थिक अपराध न्यायालय में पेश किया गया। अभियुक्त को 29 सितंबर तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। विभाग द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण की गहनता से जाँच की जा रही है।

पीएम स्वनिधि योजना को मिला नया संबल, मार्च 2030 तक बढ़ी अवधि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में गुरूवार को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के महाप्रबंधक एवं सभी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रीय बैंकों के राज्य प्रमुखों ने भाग लिया। जैन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को पुनर्गठित कर इसकी अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सभी नगरीय निकायों में "लोक कल्याण मेला" आयोजित किया जाएगा, जिसे वर्तमान में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 में सम्मिलित किया गया है।

उन्होंने कहा कि इन शिविरों के दौरान लगभग 50 हजार लंबित आवेदनों का प्राथमिकता से निस्तारण कर नए आवेदनों का भी त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में जैन ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए बैंक-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इसके शत-प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर, परियोजना निदेशक एल.एल. पहाड़िया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना के वारंगल शहर के 66 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने किया नगर निगम ग्रेटर का दौरा

-महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने साफा पहनाकर प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर गुरूवार को तेलंगाना के वारंगल शहर के ग्रेटर वारंगल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के महापौर, पार्षद, अधिकारीगण सहित कुल 66 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने प्रतिनिधिमंडल का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर स्वागत-सत्कार किया। साथ ही प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद भी किया। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल को निगम द्वारा अब तक स्वच्छता के लिए किए गए प्रयासों, नवाचारों, आयोजित अभियानों आदि के बारे में पीपीटी के माध्यम से बताया गया। इस अवसर पर वारंगल महापौर ने नगर निगम ग्रेटर के कचरा पृथक्कीकरण प्रणाली की सराहना की और कहा कि इस प्रणाली को हम भी लागू करेंगे तथा गीले एवं सूखे कचरे का अलग-अलग निपटान करेंगे। महापौर ने कहा कि भारत विविधता में एकता का संदेश देता है। संस्कृतियों के आदान-प्रदान से संस्कृतियों को जानने का अवसर मिलता है। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थानी संस्कृति, परंपराओं को जाना। साथ ही निगम द्वारा स्वच्छता के संबंध में किए गए प्रयासों को भी साझा किया।

प्रतिनिधिमंडल जयपुर, राजस्थान में शैक्षिक दौरे पर है। इस दौरे में हैरिटेज सिटी प्रबंधन, स्वच्छता, ठोस-जल प्रबंधन, शहरी नियोजन और स्मार्ट सिटी विकास के क्षेत्रों में किए गए कार्यों को देखा-समझा। साथ ही जयपुर की सुंदरता, हैरिटेज आदि की भी सराहना की।

सुरक्षित रहते हुए सावधानी पूर्वक कार्य को अंजाम दे - गर्ग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड की प्रशिक्षण शाखा द्वारा शाहपुरा उपखण्ड की सुरक्षा सम्बन्धी ट्रेनिंग का आयोजन किया। शैरी रिसोर्ट में हुआ इसमे अधिशाषी अभियंता रंजना शर्मा (प्रशिक्षण - ज स), जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता सुरेश चंद्र गर्ग,जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा (एच टी एम) आशीष डंगायच, गौरव सिंह, जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड मनोहरपूर के सहायक अभियंता मनोहर सिंह यादव, अंकित बालोदा, चन्द्र प्रकाश के द्वारा विद्त सुरक्षा सम्बंधित तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर शाहपुरा खण्ड के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता एंव तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत, कनिष्ठ अभियंता रणवीर सिंह यादव, कनिष्ठ अभियंता पंकज सिंह, कनिष्ठ अभियंता (एचटीएम) ओम प्रकाश प्रजापत, कनिष्ठ अभियंता कनिष्ठ अभियंता अग्रवाल राडावास, कनिष्ठ अभियंता सुरेंद्र कुमार जाट, ड्राइवर राम सिंह आदि उपस्थित थे ।

कर्मचारी नेता मुकेश नटवाड़िया ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर विद्त वितरण निगम कर्मचारी नेता सुरेंद्र चोधरी, कर्मचारी नेता मोहन चोधरी, कर्मचारी नेता हेमपाल पोसवाल, कर्मचारी नेता मुकेश कुमार नटवाडिया, कर्मचारी नेता प्रकाश मोहनपुरिया, ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एंप्लाइज फेडरेशन के मीडिया प्रभारी अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, संतोष मेहरा,ओम प्रकाश गुर्जर, पूरणमल कुमावत, जगदीश गुर्जर, महावीर चोहान, राम अवतार यादव, राकेश जाट, गिरधारी लाल यादव, गणेश राम रेगर, पप्पू राम गुर्जर, करमचंद रेगर, सुभाष गुर्जर, जय सिंह गुर्जर, मनोज सैनी, नरेंद्र यादव, जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड खोरा लाड़खानी के कर्मचारियों में शिव प्रकाश बुनकर, नाथूराम गुर्जर, नरेंद्र कुमार योगी, रमेश चंद गुर्जर, पवन कुमार शर्मा, विनोद कुमार हल दुनिया, रामकरण यादव, केसर लाल बुनकर, जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड चंदवाजी के नानगराम गुर्जर, मेवाराम गुर्जर, लक्ष्मी नारायण मौर्य, विनोद कुमार मीना, रोहिताश बुनकर, प्रह्लाद राय, सुरेश कुमार बुनकर, मोहित सिंह, पवन रजवानिया, प्रकाश सैनी एफ आर टी पार्टी के अमर सिंह, राहुल कुमार, अक्षय कुमार, अमर सिंह गुर्जर मोहम्मद फरमान पठान आदि उपस्थित थे।

निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहरी सेवा शिविर के तहत मानसरोवर जोन में आयोजित शिविर का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत गुरूवार को मानसरोवर जोन के पत्रकार रोड स्थित आनंद महल मैरिज गार्डन में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को शिविर में आ रहे आमजन के लिए छाया, पानी व बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही आमजन के साथ संवाद करते हुए फीडबैक भी लिया। शिविर में आए हुए कईं लाभार्थियों ने व्यवस्थाओं को सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद भी दिया। आयुक्त ने इस अवसर पर पीएम स्वनिधि योजना के तहत 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये का चैक लाभार्थियों को प्रदान किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपये का चैक भी प्रदान किया। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाभार्थी को आवास की डमी चाबी भी सौंपी। आयुक्त ने इस अवसर पर एक फ्रीहोल्ड पट्टा, 4 उप विभाजन के पत्र भी लाभार्थियों को सौंपे। शिविर में शिकायतों का भी तत्काल निस्तारण किया जा रहा है। मानसरोवर जोन के वार्ड 70 के सेक्टर-31 में सी एंड डी वेस्ट की शिकायत मिलने पर तत्काल सी एंड डी मलबा जेसीबी के द्वारा उठवाया गया साथ ही खराब रोड लाइट की शिकायत मिलने पर रोड लाइटों को भी ठीक करवाया गया। शिविर में जन्म-मृत्यु-विवाह प्रमाण पत्र के लिए 42 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 42 आवेदनों के ही प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। नगरीय विकास कर के 14 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से सभी का निस्तारण किया गया। पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत् 4 आवेदकों को लोन के चैक प्रदान किये गये तथा 40 आवेदकों से आवेदन भरवाए गए। स्वनिधि से समृद्धि के तहत 14 आवेदन प्राप्त हुए तथा सीएम स्वनिधि योजना के तहत 2 आवेदकों को चैक प्रदान किए गए।

संसदीय कार्य मंत्री ने धवा के बड़ला नगर के ग्रामीण सेवा शिविर का किया अवलोकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को जोधपुर जिला स्थित पंचायत समिति धवा की ग्राम पंचायत बड़ला नगर के कुमारिया नाडा विद्यालय परिसर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन के वर्षों से लम्बित कार्य हाथों-हाथ किए जा रहे है। शिविरों में गरीब कल्याण और सर्वस्पर्शी विकास की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। पटेल ने कहा शिविरों में आपसी सहमति से विभाजन, नामांतकरण और रास्ते खोलने जैसे कार्य भी आसानी से हो रहे है। उन्होंने कहा किसान गिरदावरी ऐप द्वारा गिरदावरी की जा रही है । उन्होंने कहा इन शिविरों में क्षतिग्रस्त स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, छात्रावासों और सड़कों के सुधार के कार्य भी किए जा रहे है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण और आधार सीडिंग की जा रही है। उन्होंने कहा शिविर में पशुओं की जांच, इलाज एवं टीकाकरण और विधायक, सांसद स्थानीय क्षेत्र कार्यक्रम और क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम द्वारा स्कूलों के मरम्मत कार्य स्वीकृत किए जा रहे है।

दिव्यांग पूनमपुरी को सौंपा पेंशन का पीपीओ-

शिविर में संसदीय कार्य मंत्री ने पांच लाभार्थियों को मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसी, चार लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना के तहत दिव्यांग पूनमपुरी को पेंशन का पीपीओ वितरित किया गया। शुद्धि के 8 एवं सहमति विभाजन 2 प्रकरणों पर हाथों-हाथ हुई कार्यवाही झंवर तहसीलदार देवाराम ने बताया कि शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 15 नामांतरण के प्रकरणों,शुद्धि के 8 प्रकरणों एवं 2 सहमति विभाजन के प्रकरणों पर आवश्यक कार्यवाही कर काश्तकारों को राहत प्रदान की गई। साथ ही 7 मूल निवास प्रमाण पत्र और 6 जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए। शिविर में सरपंच श्रीमती शांति देवी, जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र प्रसाद मेघवाल, संयुक्त निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) डॉ. नरेंद्र सक्सेना, विकास अधिकारी ओमप्रकाश चौधरी, बीसीएमओ डॉ. मोहनदान, किशनसिंह, बालूराम, महेंद्र सिंह बेरू सहित जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विक्रम सिंह धोलीवाल बने राजपूताना पैरालंपिक वॉलीबॉल अध्यक्ष

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजपूताना पैरालंपिक वॉलीबॉल संगठन, राजस्थान ने हाल ही में विक्रम सिंह धोलीवाल को जिले का अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर विक्रम सिंह धोलीवाल ने कहा कि पैरालंपिक खेल न केवल दिव्यांग साथियों में आत्मविश्वास जगाते हैं, बल्कि उन्हें समाज में अपनी पहचान बनाने और आगे बढ़ने की राह भी दिखाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे ।

जयपुर केन्द्रीय कारागृह में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों की पालना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय ने केन्द्रीय कारागृह, जयपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीमती पल्लवी शर्मा ने बताया कि गुरूवार को लगे कैम्प में दंत रोग, नाक-कान-गला रोग और मौसमी बिमारियों से संबंधित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 500 कैदियों की आंख, कान, गला संबंधी स्वास्थ्य जांच की। चिकित्सकों के परामर्श के आधार पर दवाइयां व चश्में वितरित किए गए।जीव सेवा कल्याण समिति के सौजन्य से ये दवाइयां और चश्मे वितरित किए गए। मेडिकल कैंप में केंद्रीय कारागृह अधीक्षक प्रमोद सिंह, चिकित्सा विभाग से डॉ. सौरभ सेवरिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रदीप यादव, दंत रोग विशेषज्ञ, डॉ सुलतान सिंह, ईएनटी, डॉ. आशा लता, उप निदेशक आर.आर. सी, एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज (सदस्य, विधिक चेतना समिति, जयपुर महानगर द्वितीय), जीव सेवा कल्याण समिति के राजकुमार केसवानी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नयनपाल सिंह तंवर आदि उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिला स्तर पर 'कॉफी विद कलक्टर का हुआ आयोजन'

-जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बालिकाओं के साथ संवाद में दिये रोचक प्रश्नो के जवाब

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता पाली के तत्तवाधान में बेटी बचाओं बेटी पढाओ योजनान्तर्गत 'कॉफी विद कलक्टर' जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला परिषद् सभागार में बुधवार को आयोजित हुआ कार्यक्रम में जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने जिला मुख्यालय की राजकीय व गैर-राजकीय विद्यालयों की 9 से 12 वीं की छात्राओं से संवाद में सवालो के जवाब दिये। कार्यक्रम में बालिकाओं को जिला कलक्टर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद का अवसर दिया गया जिसमें शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक विषयो पर वार्तालाप करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि हम सभी के जीवन में बाधाए होती हैं। परंतु उसे अपने ज्ञान और विवेक द्वारा सोच समझ कर दुर करने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही कहा कि स्वयं को स्वयं की जिम्मेदारी को समझते हुए आर्थिक सक्षमता भी जरूरी है क्योंकि इससे आपको किसी का भी मोहताज नही रहना पड़ता है अतः विद्यार्जन के द्वारा जीवन में आगे बढना चाहिये। उन्होंने कहा कि इसी से सांसारिक समस्याओं को समझने, सुलझाने का मार्ग प्रशस्त होता है जो शिक्षा से सार्थक होता है मनुष्य केवल पद और पैसे से बड़ा नहीं होता बल्कि सद्कर्मों व सद्व्यवहार से भी बड़ा बन सकता है। उन्होने कहा कि जीवन में बाधाएं आती है व्यक्तित्व को कमजोर कर सकती हैं परंतु हरा नहीं सकती जड़ और गतिशीलता के बारे में कहा साथ ही उन्होंने कहा कि सूचना का विश्लेषण करना व सोचना चाहिए उसके बाद उसका निष्कर्ष निकाला जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है परंतु उसके लिए मेहनत जरूरी है लगातार कोशिश से सफलता प्राप्त की जा सकती है क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। इस अवसर पर विभिन्न बालिकाओं द्वारा जिला कलक्टर से रोचक सवाल पूछे जिनका जिला कलक्टर ने सहजता से उत्तर दिया।इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी महेन्द्र मेहता ने मां कभी बहाना नही करती की रोचक कहानी सुनाई। कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईपीएस बिरजू गोपाल, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी महेन्द्र मेहता, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास के भागीरथ चौधरी, डॉ. सुमन चौधरी मौजूद रहे व विभिन्न स्कूलों की बालिकायें व अन्य लोग मौजूद रहे।

जिले में ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर प्रारंभ, प्रभारी सचिव पहुंचे

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण सेवा शिविर 2025 के तहत 17 सितम्बर से जिले में ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर प्रारम्भ हुए। जिनमें लोगों ने बडी संख्या में शिविर स्थल पर पहुंचकर विभिन्न कार्यों के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। कई आवेदकों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। जिले के प्रभारी सचिव टीकमचन्द बोहरा ने विभिन्न शिविरों का अवलोकन करते हुए वहां नियुक्त कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अधिकाधिक लोगों को शिविर का लाभ देने को कहा। प्रभारी सचिव द्वारा अंता क्षेत्र के बमूलिया कलां, बारां के सुन्दलक व बैंगना तथा नगरीय क्षेत्र बारां में सहकार भवन में आयोजित शिविर में पहुंचे तथा शिविर में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। शिविर में आने वाले व्यक्तियों को धरातल पर लाभ मिले। उन्होंने बारां के शिविर में वन विभाग, महिला व बाल विकास तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों के प्रति असंतुष्टि व्यक्त करते हुए इसमें सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने स्टॉल पर योजनाओं के बैनर आदि लगाकर सभी तरह के आवेदन फार्म आमजन को उपलब्ध कराएं। पहले दिन बारां उपखण्ड में ग्राम पंचायत बैंगना, सुन्दलक, अटरु में मेरमाचाह, किशनपुरा, अंता में बमुलिया माताजी, अमलसरा, मांगरोल में मालबमोरी, जलादातेजाजी, छबड़ा में चाचौड़ा, भुवाखेडी, छीपाबड़ौद में फूलबड़ौदा, टांचा, किशनगंज में असनावर, पीपल्दाकलां और शाहाबाद में पीपलखेड़ी व दाता ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। गुरूवार को एक बारां उपखण्ड में ग्राम पंचायत बामला, तुलसा, अटरु में अंताना, बमोरी, अंता में ठीकरिया, काचरी, मांगरोल में किशनपुरा, महुआ, छबड़ा में भीलवाड़ा नीचा, भूलोन, छीपाबड़ौद में अजनावर, ढ़ोलम, किशनगंज में रामगढ़, बृजनगर और शाहाबाद में आगर व सनवाड़ा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। नगर परिषद बारां के वार्ड संख्या 1 से 4, नगर पालिका अटरू के वार्ड 1 व 2, अन्ता के वार्ड 1, 2, 35 व 29, मांगरोल के वार्ड 1 से 3, सीसवाली के वार्ड 1 से 3 एवं छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में शिविर लगाए गए। गुरूवार को बारां नगर परिषद के वार्ड 1 से 4, अटरू के वार्ड 1 व 2, अन्ता के वार्ड 1, 2, 35 व 29, मांगरोल के वार्ड 1 से 3, सीसवाली के वार्ड 1 से 3 एवं छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में शिविर आयाजित होंगे।

अंता थाना क्षेत्र के मिर्जापुर के चर्चित अख़्तर बेग हत्याकांड में सभी आरोपी जमानत पर रिहा

-मारुफ की ओर से बारां न्यायालय में अधिवक्ता फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका)। थाना अंता ने फरियादी की रिपोर्ट पर मुकदमा संख्या 435/2022 दर्ज किया जिसमें फरियादी जुनेद मिर्जा ने 9 नामजद व 15-20 पर हत्या का आरोप लगाया, जिसपर अनुसंधान के बाद 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, मारूफ की जमानत बारां न्यायालय में अस्वीकार के बाद राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर में पेश करने पर जमानत को मंजूर कर लिया गया, मारूफ के जमानत आदेश की पालना में अधिवक्ता फिरोज खान ने जमानत न्यायालय विशिष्ठ न्यायाधीश बारां में पेश कर रिहाई सुनिश्चित कराई न्यायालय बारां के आदेश पर मारूफ को जेल से रिहा किया गया न्यायालय बारां में मारूफ की पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की।

तेरापंथ युवक परिषद पाली एवं महावीर इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान एवं रक्त जांच शिविर का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। महावीर इंटरनेशनल के कार्यालय बालिया प्याऊ में संयुक्त तत्वाधान में आज पाली शहर में रक्तदान एवं ब्लड ग्रुप जांच शिविर का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल पाली द्वारा 36 से अधिक रक्तवीरों ने मानवता की सेवा में अपना योगदान देते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। साथ ही बालिया गर्ल्स स्कूल की 50 से अधिक छात्राओं का निःशुल्क ब्लड ग्रुप टेस्ट किया गया एवं रक्त दान का महत्व व भ्रांतियां दूर की गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष संपतराज भंडारी ने बताया कि उपाध्यक्ष सौरभ भंडारी, कोषाध्यक्ष किस्तूरचंद तातेड, सहकोषाध्यक्ष गौतम रेड, पदम ललवानी, राजेश बलाई,पूर्व सचिव केवलचंद कवाड़, , सुगंध भंडारी एवं गौतम रांका,सुशील बालिया,राकेश परमार,सहित अनेक पदाधिकारी व कार्याकर्ताओ का सहयोग रहा। सचिव नवीन मेहता ने रक्तदान को पुण्य, सेवा, त्याग और परोपकार का प्रतीक बताते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि यह मानवता का सच्चा कल्याण है। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष पीयूष चोपड़ा, पंकज कटारिया,अभिषेक धोका,सुधीर गादीया,हसमुख बांठिया, ऋषभ धोका,विशाल खाटेड,अनिल छाजेड़ एवं तेरापंथ किशोर मंडल के क्रिस, पक्षाल चोपड़ा व ऋषि गादीया का विशेष योगदान सराहनीय रहा एवं रक्त वीरों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जोर लगा के, हईशा.... हर दांव पर पहलवानों को मिली दाद

-परिषद का नवाचार: प्रथम बार आयोजित हुआ दंगल मुकाबला

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। "जोर लगा के, हईशा..." पकड़, लगा जोर, पलट और फिर चित...। यह शौर गूंजता रहा मंगलवार को डोल मेला रंगमंच पर जहां नगर परिषद ने नवाचार करते हुए आयोजित करवाये गये दंगल कार्यक्रम का दर्शकों ने भरपूर लुप्त उठाया। पहलवानों के प्रत्येक दांव पेच पर भारी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया। मंगलवार की सायं 6 बजे से डोल मेला रंगमंच पर शुरू हुआ कुश्ती प्रतियोगिता का अयोजन मध्य रात्रि तक चला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राधेश्याम बैरवा, जिला कलक्टर रोहितश्व सिंह तोमर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चैधरी, मेला प्रभारी और एक्शन भुवनेश मीणा और प्रदेश सचिव धर्मराज मेहरा ने शिरकत की। जिला कलक्टर ने स्वयं अखाड़े में उतर कर पूजा अर्चना की और पहलवानों के पहले राउण्ड को हरी झण्डी दिखाई। दंगल में जिलेभर से आये विभिन्न वजनों के पहलवानों के रोचक मुकाबले हुए। जिसमें बालिकाओं ने भी दंगल में उतर कर अपने-अपने पहलवानी के पैंतरें दिखाएं। नगर परिषद की ओर से विजेताओं को 51 सौ, 31 सौ, 21 सौ और 11 सौ रूपये नकद राशि, शील्ड और प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आरम्भ में जिले के सभी अखाड़ों के उस्तादों व रैफरियों का महावीर नामा, योगेश शर्मा, राजेन्द्र गहलोत, भुवनेश सोनी, उपसभापति नरेश गोयल, मेला अध्यक्ष प्रतिनिधी पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, शिवशंकर यादव, रोहित सक्सेना, अर्जुन यशवंत, लीलाधर नागर, हरिश मेघवाल आदि ने साफाबन्दी, माल्यार्पण और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

ये रहे विजेता: प्रतियोगिता में जिला केसरी के रूप में रोहित घेंघट भीमदल प्रथम और द्वितीय बन्टी घेंघट को घोषित किया गया। जिला कुमार के रूप में दीपक घेंघट प्रथम, रोहित घेंघट द्वितीय, जिला बसंत के रूप में हेमन्त बंकट प्रथम, किशन द्वितीय, 55 किलो में मोहित प्रथम, गणेश द्वितीय, 50 किलो में उदय प्रथम, मोहित द्वितीय, 45 किलो में मणीराम प्रथम, रामकुमार द्वितीय, 40 किलो में गौरव प्रथम, धीरज शाक्यवाल द्वितीय 30 किलो में प्रथम कुशाल, पंकज द्वितीय, 25 किलो प्रथम हर्ष, प्रद्मन्न द्वितीय, बालिकाओं में निकिता प्रथम, अनिता द्वितीय, 50 किलो में निकिता प्रथम, अक्षिता द्वितीय, 45 किलो में अन्नु प्रथम, मोनिका द्वितीय, 40 किलो में आरूषी प्रथम, कविता द्वितीय, 35 किलो में गौरी, प्रथम, पूर्वी द्वितीय, 30 किलो में लक्षिता प्रथम, तनिष्का द्वितीय, 25 किलों में ईशिका प्रथम, राधा द्वितीय रही।

वाईजीएन कॉलेज विज्ञान नगर पर नि:शुल्क आयुर्वेदिक मेडिकल कैंप का आयोजन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । वाई जी एन कॉलेज विज्ञान नगर पर निःशुल्क आयुर्वेदिक मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने बताया कि मौसमी बीमारियों, घुटनों का दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द, नसों का दर्द, मांसपेशियों का दर्द, हाथ पैर में जलन और अन्य तरह के सभी दर्दों का उपचार आयुर्वेद की दुर्लभ पद्धति के द्वारा सेवा आयुर्वेद क्लीनिक के संचालक डॉक्टर अवान खान के द्वारा किया गया। डॉक्टर अवान खान ने बताया कि लोगों को आयुर्वेदिक दवाओं से लोगो को कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता है और इलाज में खर्चा भी कम होता है। डॉक्टर अवान ने बताया कि आयुर्वेदिक की दुर्लभ पद्धति विद्ध कर्म एवं अग्निकर्म पद्धति के जरिए लोगों को बहुत ही अच्छे और बेहतरीन इलाज उपलब्ध है। इस निशुल्क मैडिकल कैंप में तकरीबन 85 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया एवं इस शिविर में लोगों को निशुल्क दवाइयां भी दी गई। मेडिकल कैंप सुबह 11:00 से शाम को 5:30 बजे तक रहा और इस मेडिकल कैंप में लोगों को बेहतरीन सुविधाएं मिली इस मौके पर भाजपा नेता एवं ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, तारीक खान, मौलाना मुशर्रफ कादरी, सिराज अंसारी, जावेद खान, जाकिर भाई, इकबाल भाई, काजिम भाई, तौसीफ, मस्तानी आदि लोगों का सहयोग रहा।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया फ्रीमेसन लॉज ज़ेवियर

-समाजसेवा में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं सदस्य

मोहम्मद अली पठान

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। फ्रीमेसन लॉज ज़ेवियर नं. 459 जी.एल.आई. जयपुर ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लॉज ने पंजाब के अमृतसर जिले के बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री के रूप में 2500 किलो आटा, 200 किलो बेबी मिल्क पाउडर, आवश्यक दवाइयाँ एवं वयस्क डायपर भेजे। इसके साथ ही राजस्थान के बूंदी जिले के नैनवा गांव में भी बाढ़ पीड़ित परिवारों को 100 राशन किट वितरित किए गए।लॉज के सदस्य पंकज जैन ने कहा कि "इन विषम परिस्थितियों में समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर मदद के लिए आगे आना चाहिए।" अमरजीत सोनी ने बताया कि फ्रीमेसन लॉज ज़ेवियर नं. 459 जयपुर हमेशा मानवीय सेवा कार्यों में अग्रणी रहा है। वहीं, आई.एम.एस. नागपाल ने कहा कि यह राहत अभियान मानवता के प्रति लॉज की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। फ्रीमेसन लॉज ज़ेवियर नं. 459 जयपुर निरंतर समाजसेवा और राहत कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है तथा जरूरतमंदों की सहायता में आगे भी योगदान देता रहेगा।

सांचौर राशन डीलर्स ने नई व्यवस्था पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जताई आपति

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। उचित मूल्य दुकानदारों (राशन डीलर्स) ने खाद्यान्न की नई डिलीवरी व्यवस्था पर विरोध जताया है। डीलरों ने खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि हाल ही में जारी आदेश में गेहूं की उतराई का भुगतान स्वयं करने के प्रावधान अनुचित है। डीलरों ने बताया कि पूर्व में खाद्यान्न की आपूर्ति संबधित ठेकेदार द्वारा सीधे दुकानों तक करवाई जाती थी। और लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य भी ठेकेदार की जिम्मेदारी होती थी। लेकिन अब जिला कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार उतराई का खर्चा खुद डीलरों को वहन करना होगा। राशन डीलरों का कहना है कि इससे उनपर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। सांचौर राशन डीलरों ने चेतावनी दी है कि यदि यह व्यवस्था लागु की गई तो वे गेहूं की उतराईकरने में असमर्थ रहेगे। जिससे राशन वितरण व्यवस्था बाधित हो सकती है। उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन में डीलरों ने स्पष्ट किया की यदि वितरण व्यवस्था प्रभावित होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी। उन्होनें खाद्य प्रभारी मंत्री से इस आदेश को तत्काल निरस्त कर पूर्व की व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

सांचौर एलिवेटेड पुल निर्माण में अनियमितताओं को लेकर युथ कांग्रेस ने नेशनल हाइवे पर दिया धरना

-सात दिन में समाधान नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेशनल हाइवे 68 पर चल रहे एलिवेटेड पुल निर्माण को लेकर शहरवासियों में रोष बढ़ता जा रहा है। युथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने युवा नेता गोरव सारण के नेतृत्व में मुख्य चौराहे पर धरना दिया और निर्माण कार्य में ही हो रही अनियमितताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुल निर्माण करने वाली कम्पनी मनमर्जी से काम कर रही है। एलिवेटेड पुल के दोनों ओर पक्की सड़क सर्विस रोड़ का निर्माण नहीं किया गया है, जिसके चलते दिन भर धूल के गुब्बारे उड़ते रहते है। और सड़क पर बढ़े-बढ़े गड्ढो से यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं 15 करोड़ की लागत से अंडरग्राण्ड डाली जाने वाली 33 केवी विद्त लाइन को नाले के बीचोंबीच पोल खड़े कर बिछाया जा रहा है, जिससे सरकारी राजस्व को नुकशान हो रहा है। युथ कांग्रेस युवा नेता गौरव सारण ने कहा कि घटिया निर्माण के चलते किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन विभागीय अधिकारी मौके पर नजर ही नहीं आते। व्यापार संघ के अध्यक्ष हरिश सीलु ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि व्यापारियों व आमजन की समस्यों को लेकर कई बार अधिकारियों तक पहुंचाया गया, मगर प्रशासन कुंभ करण की नींद सो रहा है। स्म्रति वन के अध्यक्ष अमराराम माली ने दोषी कम्पनी के खिलाफ यख्त कार्रवाई की मांग की है। धरने के बाद युथ कांग्रेस कार्यकताओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सात दिन के भीतर समस्याओं का समाधान करने की मांग की गई है। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में समस्याओं का निपटारा नहीं हुआ तो शहरवासियों और कांग्रेसजन मिलकर बड़ा आंदोलन करेगें जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। इस मौके पर खाद्य बीज संगठन अध्यक्ष मोहनलाल परमार, खेमाराम पुरोहित, वासुदेव, सांवलाराम, प्रारसाराम देवासी, रतनलाल माली, सुरेश देवासी, गंगाराम पूनिया, रमेश देवासी, देवीलाल राठी, नारनाराम चौधरी, बरकत खॉ, भवजी बन्ना, नेमाराम माली, हुकमाराम लौहार, शौकत खा, वसनाराम सहीत बड़ी सख्या में युथ कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं शहरवासी व व्यापारी मौजूद थे।

डाबला की ओर जाने वाला आम रास्ता गंदे पानी से अवरुद्ध

-नगर परिषद को कई बार अवगत कराने के बावजूद भी संज्ञान नहीं

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर डाबला रोड स्थित वार्ड संख्या 46 में सिताराम लुगरिया के घर के पास नाला ब्लाक होने के कारण पूरे रास्ते पर गंदा पानी और कीचड़ हो गया है इसके कारण आम रास्ता अवरुद्ध है आने-जाने में बड़ी तकलीफ हो रही है पूरे रास्ते पर पानी भरा हुआ है इससे पहले भी प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया लेकिन अभी तक वह नाला साफ नहीं किया गया है जिसके कारण रास्ता गंदे पानी से अवरुद्ध हो गया मोती खान ने बताया कि यह रास्ता डाबला गांव की ओर जाता है और यहां पर दिनभर वाहनों का आवागमन भी रहता है।वार्डवासी बहुत परेशान है और आज फिर नगर परिषद में आयुक्त महोदया से मिलकर उन्हें ज्ञापन दिया गया ओर रोष जताया ताकि इस पर जल्द से जल्द प्रशासन सज्ञान ले सके।

ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों में पहुंचे आमजन, जिला कलक्टर ने लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर के आयोजन के तहत नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में गुरुवार को शिविरों का आयोजन हुआ। जिनमें बड़ी संख्या में आमजन ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं में आवेदन किया। इस दौरान कई आवेदकों को आवासीय पट्टे सहित अन्य लाभ मौके पर ही प्रदान किए गए। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने किशनगंज क्षेत्र की बृजनगर ग्राम पंचायत मुख्यालय तथा बारां शहर में कोटा रोड स्थित सहकार भवन में आयोजित सेवा शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां कार्यरत कर्मचारियों को राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ आमजन को प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही मौके पर कई आवेदकों को पट्टे आदि प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविरार्थियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को भी सुना। गुरूवार को बारां उपखण्ड में ग्राम पंचायत बामला, तुलसां, अटरु में अंताना, बमोरी, अंता में ठीकरिया, काचरी, मांगरोल में किशनपुरा, महुआ, छबड़ा में भीलवाड़ा नीचा, भूलोन, छीपाबड़ौद में अजनावर, ढ़ोलम, किशनगंज में रामगढ़, बृजनगर और शाहाबाद में आगर व सनवाड़ा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। वहीं बारां नगर परिषद के वार्ड 1 से 4, अटरू के वार्ड 1 व 2, अन्ता के वार्ड 1, 2, 35 व 29, मांगरोल के वार्ड 1 से 3, सीसवाली के वार्ड 1 से 3 एवं छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में शिविर आयाजित हुए। इसी क्रम में शुक्रवार को अभियान में नगर परिषद बारां के वार्ड 5 से 7, अटरू के वार्ड 3 व 4, अन्ता के वार्ड 1, 2, 29 व 35, मांगरोल के वार्ड 4 से 6, सीसवाली के वार्ड 1 से 3 तथा छबड़ा के वार्ड 1 से 5 में कैंप आयोजित किए जाएंगे। साथ ही बारां उपखण्ड में ग्राम पंचायत बराना, करनाहेड़ा, अटरु में आटोन, भैंसड़ा, अंता में नागदा, बालदड़ा, मांगरोल में बमोरीकलां, मऊ, छबड़ा में जैपला, कोटडापार, छीपाबड़ौद में राई, खेड़ला जागीर, किशनगंज में सेवनी, रेलावन और शाहबाद में औगाड़ व बीलखेड़ा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

आम आदमी के वोट के अधिकार पर प्रहार को लेकर

-कांग्रेस पार्टी चलाएगी बारां जिले में हस्ताक्षर अभियान

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश नेतृत्व से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां जिले में हस्ताक्षर अभियान चलाएगी, इसको लेकर आगामी 20 सितम्बर को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर बैठक आहूत की गई है। बैठक में बारां जिला प्रभारी राखी गौतम एवं अनूप ठाकुर उपस्थित रहेगें। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश में हो रही वोट चोरी का खुलासा किया गया है तथा कर्नाटक के एक विधानसभा क्षैत्र से प्राप्त साक्ष्यों के माध्यम से मतदाता सूची में भारी अनियमिता को उजागर किया है। उनके द्वारा किए गए खुलासे से स्पष्ट हुआ है कि बडें पैमाने पर चुनावों में पारदर्षिता को समाप्त कर चुनावी धांधली चुनाव आयोग की नाक के नीचे की जा रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा नेता विपक्ष राहुल गांधी की अध्यक्षता में एआईसीसी के महासचिव तथा प्रदेश प्रभारियों की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार देश में लोकतंत्र एवं प्रजातंत्र की रक्षा करने व भाजपा द्वारा लोकतंत्र पर किए जा रहे प्रहार के विरूद्व कांग्रेस पार्टी द्वारा देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चला जा रहा है। जैन ने बताया कि इसी अभियान के अंतर्गत बारां जिले में भी जिला स्तर, ब्लॉक स्तर, नगर स्तर, मण्डल स्तर तथा बूथ स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाकर इस चुनाव धांधली के विरूद्व जनमत संग्रह किया जावेगा। इसी को लेकर 20 सितम्बर को दोपहर 3.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय जी का चौक बारां पर बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में डीसीसी पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण, कांग्रेसजन आदि भाग लेंगे।

लालच में न आयें, जागरूक डिजीटल संस्कृति का हिस्सा बनें - एसीपी सिंह

-बजाज फाइनेंस, मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी एवं साइबर सेल जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के सामाजिक सरोकार के तहत 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस प्रोग्राम' सम्पन्न

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। किसी भी तरह का फ्रॉड होने पर तुरन्त साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करायें और तुरन्त नजदीकी थाने में रिपोर्ट दें। एआई तकनीक का सकारात्मक यूज करें इसके दुष्परिणामों से बचें। फेसबुक,

वाट्सअप, इंस्टग्राम के लुभावने ऑफर पर ध्यान न दें। ऑटो डाउनलोड फंक्शन बंद कर दें। ये कहना है जोधपुर कमिश्नरेट साइबर सेल के एसीपी पुष्पेन्द्र सिंह का। वे बजाज फाइनेंस लिमिटेड एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में गुरूवार को आयोजित 'साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस प्रोग्राम' में बतौर मुख्य वक्ता उद्बोधन दे रहे थे। साइबर सेल जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के संसाधन सहयोग से संचालित हुए इस कार्यक्रम में एसीपी पुष्पेन्द्र सिंह ने विस्तार से बताया कि साइबर क्राइम में इन्टरनेट का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। हम लालच से बचते हुए एप, फोटो-वीडियो, बैंक अकाउन्ट, मोबाइल सिम आदि से हो रहे आर्थिक फ्रॉड से बचें, अननाउन नम्बर न उठायें, न इसके मैसेज का रिप्लाई दे, ओटीपी-पासवर्ड किसी को भी शेयर न करें। ऑनलाइन बुकिंग, या लेन-देन सावधानी से करें, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड से बचें। फ्रॉड इन्वेस्टमेन्ट की स्कीम से बचें, सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें। फर्जी वेबसाइट के नौकरी के झांसे से बचें। जब यूज न हो तो नेट बंद कर दें। ऑनलाइन खाते में कम से कम पैसे रखें। फर्जी शैक्षणिक संस्थाओं से बचें। विशेषकर महिलाएं हिडन कैमरों से बचें, कॉल फॉरवर्ड फंक्शन बंद रखें, फालतू एप डाउनलोड न करें, राजकॉप सिटीजन एप एवं संचार साथी एप डाउनलोड रखें। यातयात सुरक्षा एवं वाहन सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि हम हेलमेट लगायें, वाहन रजिस्टर करवायें, लाइसेंस व डॉक्यूमेंट कम्पलीट रखें। साथ ही उन्होंने बताया कि गलत फोटो वीडियो शेयर कर फ्रॉड करने पर पुलिस द्वारा मुकदमा किया जाता है। सड़क पर किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर सरकार द्वारा 5000 का इनाम दिये जाने का प्रावधान है। बजाज फाइनेंस जयपुर के स्टेट हेड आबिद खान ने कहा कि हमारा ध्येय वाक्य है कि 'जितनी जानकारी उतनी सुरक्षा, धोखाधड़ी से कहो अलविदा'। इसी सामाजिक सरोकार के तहत हमारी जिम्मेदारी है कि हम पुलिस विभाग व यूनिवर्सिटी प्रशासन की सहायता से साइबर सिक्योरिटी के प्रति आमजन तक अधिकतम अवेयरनेस पहुंचायें। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने कहा कि हम डरें नहीं बल्कि निडर होकर साइबर अपराध से मुकाबला करें और खुद जागरूक होकर, दूसरों को जागरूक करें। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर मे हम सभी को जागरूक होना जरूरी है। हम लोग सावधान व सतर्क रहें और पुलिस को अपना सहयोगी मानते हुए हर घटना साझा करें।

इस अवसर पर बजाज फाइनेंस एरिया मैनेजर फिरोज खान, कलस्टर मैनेजर आदिल बैग मिर्जा, लोकेशन मैनेजर जय सिंह, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी सदस्य अफजल कुरैशी, यूनिवर्सिटी डीन एकेडमिक्स डॉ इमरान खान पठान, यूनिवर्सिटी स्टाफ डॉ. समीना, डॉ मुमताज, डॉ. रेहाना बेगम, डॉ. मरजीना, जीशान टाक, युनूस खान पठान, नाजमीन, निलोफर, रूकय्या जमाल, रशीदा कुरैशी, सुमय्या खान, श्रवण हुड्डा, अभिषेक गहलोत, लखन एवं यूनिवर्सिटी के कई विद्यार्थी मौजूद रहे। तिलावते कुरान हम्माद उस्मानी ने पढा। संचालन डॉ. अब्दुल्लाह खालिद ने किया।

जिला प्रभारी सचिव ने जैतासर में कस्तूरबा आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

-व्यवस्थाओं का लिया जायजा, शिक्षा निदेशक सहित अन्य अधिकारी रहे साथ

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने बुधवार को श्रीडूंगरगढ़ के जैतासर में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षा निदेशक सीताराम जाट, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल तथा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) किशन दान चारण, एडीपीसी कृष्ण कुमार बिश्नोई, सहायक निदेशक विक्रम सिंह चौहान सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रभारी सचिव ने आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के रहने-खाने की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने

बालिकाओं से भी पढ़ाई और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें तथा सुनिश्चित करें कि बालिकाओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि बेटियां खूब मन लगाकर पढ़ें और अपने परिवार और शहर का नाम रोशन करें। प्रभारी सचिव ने नवनिर्मित बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इसकी गुणवत्ता पर संतोष जताया। स्कूल परिसर में उन्होंने पौधारोपण किया तथा जिले में शिक्षा विभाग द्वारा किए गए पौधरोपण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प लें।

आमजन को राहत पहुंचाने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभिनव पहल

-विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल और जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि सहित अन्य अधिकारी रहे साथ

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्रामीण सेवा शिविर बुधवार को शुरू हुए। पहले दिन जिले के प्रत्येक उपखंड क्षेत्र की दो-दो ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित हुए। शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, शिक्षा सचिव और जिला प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, शिक्षा निदेशक सीताराम जाट और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, श्याम पंचारिया ने पेमासर में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देश भर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आमजन के कार्यों को घर बैठे करवाने के लिए ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इसके तहत गांव-गांव और शहर-शहर में अधिकारी पहुंचकर आमजन के अटके हुए कार्य कर उन्हें राहत दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी सरकार की मंशा के अनुसार अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के संकल्प से कार्य करें। इस दौरान ग्रामीणों ने आबादी विस्तार, सीमाज्ञान और आवास की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने इस सम्बंध में नियम संगत कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

प्रभारी सचिव ने शहरी सेवा शिविर का किया निरीक्षण

-लाभार्थियों को दिए स्वीकृति पत्र

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा सचिव तथा प्रभारी सचिव कृष्ण कुणाल ने बुधवार को अंबेडकर भवन में आयोजित शहरी सेवा समिति का अवलोकन किया। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि इस दौरान साथ रही। उन्होंने शिविर में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने फायर एनओसी के 8, भवन निर्माण स्वीकृति के 8, नामांतरण के 5, जन आधार सत्यापन के 40, पीएम स्वनिधि के 21, सीएम स्वनिधि के 20, ईडब्लूएस के 3, ट्रेड लाइसेंस के 1 लाभार्थी को स्वीकृति पत्र सौंपे। शिविर में नगर निगम की ओर से जन्म मृत्यु और विवाह पंजीयन के प्रकरणों का निस्तारण भी

किया गया। इस प्रभारी सचिव ने शिविर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अम्बेडकर भवन परिसर में पौधारोपण किया और नगर निगम द्वारा नवाचार के रूप में बनाए गए सद्भावना केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने अनुपयोगी चीजों के बेहतरीन उपयोग की सराहना की। इस दौरान निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीडीए आयुक्त अपर्णा गुप्ता, निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, कुलराज मीणा, बीडीए उपायुक्त कुणाल राहड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों को राहत देने के लिए सरकार तत्पर: प्रभारी सचिव कुंजीलाल मीणा

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रभारी सचिव कुंजीलाल मीणा ने बुधवार को ग्रामीणों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजित किये जा रहे 'ग्रामीण सेवा शिविरों' का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने ख्यावदा और मायजा ग्राम पंचायत में लगे शिविरों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आमजन को मिल रही सरकारी योजनाओं के लाभ की भी जानकारी ली। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मकानों और फसलों के लिए तुरंत राहत के निर्देश- निरीक्षण के दौरान, प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाल ही में हुई भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए विद्यालयों और अन्य सरकारी भवनों की मरम्मत एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष) के मानदंडों के अनुसार तुरंत करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने अतिवृष्टि से प्रभावित मकानों और फसलों के मुआवजे की प्रक्रिया को भी जल्द से जल्द पूरा करने को कहा। प्रभारी सचिव ने स्पष्ट किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी प्रभावित व्यक्ति मुआवजे से वंचित न रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को भी तेजी से पूरा करने की हिदायत दी।

जिला कांग्रेस ने वरिष्ठ कांग्रेस जन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का साफा बांध सोल उढाकर किया सम्मान

-संगठन में करेगा जो काम उसको मिलेगा सम्मान- रफीक मंडेलिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर दादाबाड़ी चूरू में वरिष्ठ कांग्रेसजन व सामाजिक कार्यकर्ताओ का सम्मान समारोह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने की। समारोह में संबोधित करते हुए रफ़ीक मंडेलिया ने कहा कांग्रेस पार्टी में वर्षों से सक्रिय रूप से सेवा करने वालों और गांव मोहल्ले में पार्टी के वर्कर के रूप में पहचान रखने वालों का और सामाजिक कार्यकर्ता का रूप में सेवा करने वालों का यह सम्मान है। हम सबको मिलकर हमारे नेता राहुल गांधी की सोच को जन जन तक पहुंचना है, देश और प्रदेश में भाई चारे को बढ़ाना है, यही हमारी कामयाबी है। स्वागत कार्यक्रम में चूरू के पूर्व विधायक हाजी मक़बूल मंडेलिया ने कहा संगठन और पार्टी तभी मज़बूत होगी जब कार्यकर्ता सेवा भावना से जुड़ेगे ओर पार्टी की रीतिनीतियों को आमजन तक पहुंचाएंगे। मंडेलिया ने कहा पार्टी में अनुशासन बड़ा महत्व रखता है, उन्होंने अपने विधायक कार्यकाल के दौरान कांग्रेस शासन में किए गए विकास कार्यों को जन जन तक पहुंचाए। जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने कहा पार्टी के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व द्वारा समय समय पर भाजपा सरकार के खिलाफ, दिए जाने वाले कार्यक्रमों में शामिल होकर, इनके मनसूबों को बेनकाब करे। वक्ताओं में, प्रधान संजय कसवा, प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान, कांग्रेस राष्ट्रीय सेवादल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमुख मधु गुरूग, प्रदेश सेवादल राम भरोसे सैनी, पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, संगठन प्रभारी भींवाराम जाखड़, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आदुराम न्यौल, धर्मेन्द्र बुडानिया, मोहनलाल आर्य, ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। जिनका सम्मान किया उनको साफा

व शॉल ओढ़ाकर मालाएं पहनाकर और प्रतीक चिन्ह देकर वरिष्ठ नेता मोहम्मद हुसैन निर्वाण, कानाराम मेघालय पूर्व सरपंच चिमनाराम कालेर, रियाजत खान, लालचंद सेनी, किशनाराम बाबल, एडवोकेट रक्षपाल सिहाग, विद्याधर मेघालय,अली मोहम्मद भाटी, जीतू सिंह जसरासर, वरिष्ठ नेता ताराचंद बांठिया, लालचंद खींची, रिटायर्ड डीएसपी वाहिद अली खान, शायर इदरीश राज खत्री, मुंशी खान चांदखानी, रतनलाल जांगिड़, अजय बंसिया, रामेश्वरलाल प्रजापति, रफ़ीक जर्मनीया, जिला अध्यक्ष नायक महासभा रामेश्वरलाल नायक, हबीब बिसायति, ओम प्रकाश बाकोलिया, सदीक डायर, शेरखान मलखान, जयचंद मेघवाल, सुरेश फ़ोगावट, सबीर खान राणासर और असलम खोखर, किशोर धांधू का स्वागत किया गया। इस अवसर पर,रमजान खान, नारायण बालान, हेमन्त सिहाग, अबरार खान, पार्षद विमल शर्मा, शिवकुमार शर्मा अज़ीज़ खान, तौफीक खान, समीउल्लाह गौरी, विनोद खटीक, बजरंग बजाड़, संजय भाटी, आबिद जाबासरिया, आरिफ़ रिसालदार, सलीम पिए आदि उपस्थित थे ।

राज्यमंत्री गौतम दक ने किया शहरी सेवा शिविर का शुभारंभ

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार में सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग (स्वतंत्र प्रभार) के राज्यमंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को बड़ीसादड़ी नगरपालिका परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में नगर क्षेत्र के आमजन को विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। राज्यमंत्री गौतम दक ने शिविर का अवलोकन करते हुए विभिन्न विभागों के काउंटरों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेशभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारंभ किया गया

है। ये शिविर आगामी गांधी जयंती तक संचालित रहेंगे, जिनमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपनी-अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की मंशा है कि राज्य की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम छोर तक पहुँचे और कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे। सेवा शिविरों के माध्यम से शासन और प्रशासन जनता तक सीधी पहुँच बनाकर पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित कर रहा है। दक ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को किस्त के चेक भी वितरित किए। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का हुआ शुभारम्भ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन (17 सितंबर) के अवसर पर मध्यप्रदेश के धार जिले से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान और साथ ही राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत की। इसी क्रम में अजमेर जिले में भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार की शुरुआत पंचशील शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से की गई। इसमें केंद्रीय राज्य कृषि मंत्री भारत सरकार एवं सांसद अजमेर भागीरथ चौधरी एवं विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा, विधायक विरेन्द्र सिंह कानावत, उप महापौर नीरज जैन, प्रभारी सचिव महावीर प्रसाद मीणा, जिला कलक्टर लोक बन्धु, अध्यक्ष रमेश सोनी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य कृषि मंत्री एवं सांसद अजमेर भागीरथ चौधरी ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य की विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके अंतर्गत व्यक्तियों को निःशुल्क दवा जांच एव उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला एवं बाल स्वास्थ्य को देखते हुए इस अभियान की शुरुआत की गई है। इसे पूरे भारत में 15 दिन के लिए चलाया जाएगा। इससे महिला स्वास्थ्य एवं बाल स्वास्थ्य में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध की जाएगी। इससे स्वस्थ भारत का सपना पूरा किया जा सकेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। इसे सभी प्रदेशवासी एवं अजमेर वासियों को लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पोषण पखवाड़ा एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत मातृ स्वास्थ्य एवं बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना एवं बेहतर सुविधाएं पहुंचाई जाना है। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, एवं समुदायों में जागरूकता बढ़ाना है। कई प्रकार की एनीमिया, टीबी, प्रत्येक प्रकार की बीमारियों की जांच, टीकाकरण जैसे स्वास्थ्य जांच-शिविरों का आयोजन होगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा 21 सितंबर को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा 21 सितम्बर को पीएसी नम्बर 08, हाजन की मस्जिद के पास चूरू में रक्तदान शिविर आयोजित किया जायेगा। इस संदर्भ में आज भाजपा जिला कार्यालय चूरू में जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल के नेतृत्व एवम् अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोलते हुऐ जिला उपाध्यक्ष एवम रक्तदान शिविर के जिला संयोजक नरेन्द्र काछवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन से प्रारंभ होकर 2 अक्टुबर तक सेवा पखवाड़ा किया जा रहा है जिस संदर्भ में लगातार सेवा कार्य किये जा रहे है इसी क्रम

में यह रक्तदान शिविर आयोजित हो रहा है। अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति सर्वसमाज का विश्वास बना हुआ है। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई योजनाऐं सफलतापूर्वक लागू की है जिससे यह समाज विकास की धारा में जुड़ रहा है। इसलिए समाज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को लेकर काफी उत्साह है एवम् सेवा पखवाड़े में यह समाज भी बढ़चढ़ कर इस कार्यक्रम में भाग लेगा। इस अवसर पर अख्तर खांन, असगर अली जोईया, इरशाद भाटी, बाबू भाई टेलर, सलीम गौरी, शौकत गौरी, साबीर कुरेशी, हाजी सरीफ सोलंकी, जगशेर खांन, फरियाद खांन, मुलचन्द कस्वां, सोयल, मोहम्मद इस्लाम, जयपाल सिंह टकणेत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का हुआ आगाज

-जिला प्रभारी सचिव कुंजीलाल मीणा ने लिया शिविर का जायजा, रक्त दाताओं का बढ़ाया हौसला

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के धार जिले से "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" का शुभारंभ किया। यह महाअभियान महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को समर्पित है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। बूंदी में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" का जिला स्तजरीय शुभारंभ रेडक्रॉस परिसर में हुआ। कार्यक्रम में बूंदी जिला प्रभारी सचिव कुंजीलाल मीणा व जिला कलक्टतर अक्षय गोदारा ने शिरकत की। शिविर में महिलाओं को एक ही छत के नीचे कैंसर, एनीमिया और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग से लेकर मातृ-शिशु स्वास्थ्य तक की सम्पूर्ण जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गई।

कैंसर, एनीमिया रोगों की हुई नि:शुल्क स्क्रीनिंग-

शिविर में सुबह से ही महिलाओं और किशोरियों की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां अलग-अलग काउंटर लगाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं की बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, वजन और बीएमआई की जांच की गई। सबसे महत्वपूर्ण रूप से, महिलाओं के लिए ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त, टीबी और सिकल सेल रोग की जांच के लिए भी सैंपल लिए गए।

प्रभारी सचिव ने हिमोग्लोलबिन और बीपी कराया चैक-

रेडक्रॉस परिसर में आयोजित शिविर में जिला प्रभारी सचिव ने यहां स्थाकपित काउंटर पर पहुंचकर ब्लिड प्रेशर तथा हिमोग्लो बिन की जांच करवाकर शिविर में दी जा रही सुविधाओं को परखा। उन्होंने कहा कि आमजन को शिविर का अधिकाधिक लाभ मिलें।

टीबी मुक्त भारत अभियान और मातृ-शिशु देखभाल पर विशेष जोर-

शिविर में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान जिला प्रभारी सचिव ने निक्षय मित्र योजना के तहत दानदाताओं के सहयोग से महिला टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित किए। आशा, एएनएम और सीएचओ द्वारा चिह्नित किए गए संभावित टीबी रोगियों के सैंपल लिए गए ताकि उनकी तत्काल जांच कर उपचार शुरू किया जा सकें। शिविर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए बनाए गए काउंटर पर गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात जांच की गई और बच्चों का टीकाकरण किया गया। किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए सेनेटरी नैपकिन भी वितरित किए गए।

चूरू 165 एसपीएल पूनिया कॉलोनी रेल्वे फाटक 21 व 22 सितंबर को अस्थाई बंद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 165 एसपीएल (पूनिया कॉलोनी रेल्वे फाटक) चूरू - सादुलपुर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत निर्माण एवं पटरी जोड़ने के कार्य हेतु 21 सितंबर, 2025 को रात्रि 09 बजे से 22 सितंबर, 2025 को रात्रि 10 बजे तक अस्थाई रूप से बंद रहेगा। चूरू उपखंड अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि इस दौरान सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। वैकल्पिक मार्ग एलसी नंबर 165 (ओम कॉलोनी फाटक) व एलसी नंबर 167 (अग्रसेन फाटक) से आवागमन संभव रहेगा। इसी के साथ यातायात व्यवस्था, वैकल्पिक मार्गों की उपयुक्त स्थिति को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

जनवरी से दादासाहेब फाल्के बायोपिक की शूटिंग शुरू करेंगे आमिर खान

आमिर खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। इस बार उनके साथ हैं मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी। दोनों मिलकर भारतीय सिनेमा के जनक कहे जाने वाले दादासाहेब फाल्के की जिंदगी पर आधारित बायोपिक लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा कुछ समय पहले ही की गई थी।

प्री-प्रोडक्शन अक्टूबर से, शूटिंग जनवरी में

करीबी सूत्र बताते हैं, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन वर्क अक्टूबर से शुरू होगा और इसकी शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू की जाएगी। इसका बड़ा हिस्सा मुंबई के फिल्म सिटी में फिल्माया जाएगा, जहां सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रखी जाएगी।' सेट पर इस बात का खासा ध्यान रखा जाएगा कि आमिर खान का लुक लीक न हो। शूटिंग के दौरान लोकेशन पर आने-जाने वाले लोगों और अन्य गतिविधियों पर पूरी निगरानी रखी जाएगी। यह सुरक्षा व्यवस्था वैसी ही होगी जैसी राजकुमार हिरानी ने शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' की शूटिंग के दौरान रखी थी।

● असल जगहों का फिल्मसिटी में रिक्रिएशन

सूत्र आगे बताते हैं, 'फिल्म में दादासाहेब फाल्के की असल जिंदगी से जुड़ी जगहों को बड़े विस्तार से रिक्रिएट किया जाएगा। फाल्के ने अपने जीवन में कई जगहों पर रहकर काम किया। वो मुंबई के दादर स्थित मथुरा भवन से लेकर नासिक तक में रहे। टीम इन जगहों को बड़ी ही बारीकी से सेट पर उतारने की तैयारी कर रही है ताकि दर्शकों को उस दौर का माहौल पूरी तरह असली लगे।'

2027 में हो सकती है रिलीज

आमिर खान और राजकुमार हिरानी की दादासाहेब फाल्के बायोपिक 30 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इसी दिन दादासाहेब फाल्के की 157वीं जयंती भी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग को लेकर किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी हेरा फेरी के तीसरे पार्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने वाली है। इसकी जानकारी खुद परेश रावल ने दी है। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी बताया कि किस महीने से शूटिंग शूरू होगी। इसके साथ ही अभिनेता ने हेरा फेरी 3 को लेकर हुए विवादों पर भी बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। परेश रावल ने हेरा फेरी 3 की शूटिंग पर कहा, इस पर काम चल रहा है। हम अगले साल फरवरी-मार्च में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। आगे अभिनेता से सवाल पूछा गया कि क्या हेरा फेरी 3 को लेकर हुए विवाद ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ उनके रिश्ते को प्रभावित किया है? इसके जवाब में उन्होंने बताया, बहुत कुछ हुआ है, लेकिन इससे प्रियदर्शन के साथ मेरे रिश्ते में खटास नहीं आई है। ऐसा रिश्ता खराब नहीं होता है । वास्तव में, जो हुआ है वह यह है कि इसने हमारे समीकरण को और मजबूत कर दिया है। इन सबके माध्यम से, अब हम एक-दूसरे को और बेहतर तरीके से जानते हैं। घाव भर गया है। हमारा रिश्ता बहुत पारदर्शी है।'

मुझे नहीं लगता बाबूराव अकेले चल पाएगा

परेश रावल ने आगे बातचीत में कहा, एक फिल्म सबकी वजह से बनती है । मुझे नहीं लगता कि बाबूराव अकेले चल पाएगा। आपको श्याम और राजू की भी जरूरत पड़ेगी। मैं लालची एक्टर नहीं हूं। मैं बेवकूफ भी नहीं हूं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, जो यह मान ले कि दुनिया मेरी वजह से चलती है । अगर कभी कोई स्टैंडअलोन फिल्म भी बने, तो उसमें श्याम और राजू का होना ज़रूरी है। परेश रावल की फिल्मों की बात करें, तो उन्हें आगामी फिल्म अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी में देखा जाएगा। यह फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'वो घर की बहू हैं', ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक पर बोले प्रह्लाद; कहा- ऐश ने हमेशा मर्यादा रखी

समय-समय पर फिल्मी गलियारों में ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक की खबरें आना अब आम बात हो गई है। हालांकि, हर बार ये सिर्फ अफवाहें ही होती हैं। अब प्रह्लाद कक्कड़ ने दोनों की शादी और ऐश के मां के यहां जाने के पीछे की असलियत बताई है। ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबरें अक्सर एंटरटेनमेंट की गलियों में घूमती रहती हैं। कई बार ऐसी खबरें आईं कि दोनों की शादी में सबकुछ ठीक नहीं रह रहा है और ऐश्वर्या अपनी मां के साथ रहती हैं। हालांकि, अभिषेक या ऐश्वर्या ने इन पर कभी कोई खास तवज्जो नहीं दिया। इन चर्चाओं के बीच दोनों ने कई मौकों पर एक साथ नजर आकर सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया। अब ऐड गुरु प्रह्लाद कक्कड़ ने ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी, तलाक और जया बच्चन से ऐश्वर्या के रिश्ते पर बात की है। ऐश्वर्या की मां के घर वाली बिल्डिंग में ही रहने वाले प्रह्लाद कक्कड़ ने अब ऐश-अभिषेक की शादी और ऐश के अपनी मां के घर रहने के पीछे की सच्चाई बताई है।

07 नवंबर को दस्तक देगी सोनाक्षी की साउथ डेब्यू फिल्म जटाधरा

सिनेमा के प्रेमियों के लिए इस साल की आखिरी तिमाही काफी दिलचस्प होने वाली है। अक्तूबर से लेकर दिसंबर तक कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। फिल्मों की इस सूची में सोनाक्षी सिन्हा की पहली साउथ फिल्म जटाधरा का नाम भी जुड़ गया है, जो इस साल नवंबर में रिलीज होगी।

हिंदी और तेलुगु भाषा में होगी रिलीज

मेकर्स ने आज फिल्म जटाधरा की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट के जरिए फिल्म का टीजर वीडियो साझा किया है। इसके साथ बताया है कि यह फिल्म 07 नवंबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म हिंदी और तेलुगु भाषा में दस्तक देगी। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। रिलीज डेट के साथ इसका कैप्शन लिखा है, अंधकार की गहराइयों के बाद एक उदय जरूर होता है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिसके लिए दर्शक उत्साहित हैं। फिल्म में दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

दर्शकों ने जताई खुशी

फिल्म के निर्देशन की कमान अभिषेक जयसवाल और वेंकट कल्याण ने संभाली है। वहीं, उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा मिलकर इसका निर्माण कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट के एलान पर दर्शक उत्साहित हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, इस जादुई फिल्म का इंतजार है। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

ईशा कोप्पिकर ने प्रधानमंत्री मोदी को दी जन्मदिन पर बधाई

बॉलीवुड अभिनेत्री और राजनीतिज्ञ ईशा कोप्पिकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएँ देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। एक भावपूर्ण पोस्ट में, ईशा ने प्रधानमंत्री के राष्ट्र के प्रति समर्पण और उनकी निरंतर सेवा की प्रशंसा की। हमेशा राष्ट्रहित के मुद्दों और बदलाव लाने वाले नेताओं के प्रति अपना समर्थन दिखाने वाली ईशा ने अपने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के लिए एक भावपूर्ण संदेश साझा किया- उन्होंने लिखा, हमारे प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। राष्ट्र के प्रति आपकी अथक सेवा वास्तव में प्रेरणादायक है। ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ, सुखी और शक्तिशाली बनाए रखें, इसकी कामना करती हूँ। अपने संदेश में, ईशा ने देश के प्रति मोदी की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे उनका नेतृत्व लाखों भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

बॉलीवुड, सामाजिक कार्यों और जनसेवा से जुड़े अपने करियर के चलते, ईशा कोप्पिकर अक्सर उन जननेताओं के समर्थन में आवाज़ उठाती रही हैं जो देश की प्रगति के लिए कार्यरत हैं। ईशा का यह जन्मदिन संदेश उन शुभकामनाओं की एक लंबी श्रृंखला का हिस्सा है जो देशभर से प्रधानमंत्री को मिल रही हैं। देश के हर वर्ग से लोग उनके योगदान का सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दे रहे हैं। ईशा के गर्मजोशी भरे शब्द प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति जनता की व्यापक सराहना को दर्शाते हैं – विशेषकर उन पहलों के लिए जो राष्ट्र के विकास और उत्थान पर केंद्रित हैं।

अभिनेता आलोक नाथ को मल्टी लेवल मार्केटिंग फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट से राहत

● गिरफ्तारी पर रोक

फिल्म अभिनेता आलोक नाथ को मल्टी लेवल मार्केटिंग फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इस केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता की याचिका पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आलोक नाथ की गिरफ्तारी पर भी रोक लगाई है। इसी केस में अभिनेता श्रेयस तलपडे को भी सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल चुकी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अभिनेता की याचिका पर हरियाणा पुलिस और अन्य को नोटिस जारी किया है। अब सुप्रीम कोर्ट अभिनेता श्रेयस तलपड़े की याचिका के साथ आलोक नाथ के केस की सुनवाई करेगा। आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द किए जाने की मांग की है। यह पूरा मामला हरियाणा के सोनीपत की एक मल्टी मार्केटिंग फर्म से जुड़ा है। इसमें हुई धोखाधड़ी के आरोप में फिल्म अभिनेता आलोक नाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस कंपनी ने अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया था।

ब्लैक ड्रेस में शानदार लगीं काजोल, बताया कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए

अभिनेत्री काजोल इन दिनों नए शो टू मच विद काजोल और ट्विंकल को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। काजोल ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह ब्लैक कलर का ड्रेस पहने हुए हैं, मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने बालों को पोनीटेल किया हुआ है। इन तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास साफ झलकता दिखा। काजोल ने

तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, कभी-कभी भावनाएं उलझन भरी हो सकती हैं, लेकिन कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए। यह खूबसूरत काला ड्रेस मेरे आत्मविश्वास को किसी तारीफ से ज्यादा बढ़ाता है। पहली तस्वीर में अभिनेत्री कैमरे को देखते हुए हल्की-सी स्माइल के साथ पोज दे रही है। वहीं, दूसरी में एक साइड देखते हुए वह स्टाइलिश अंदाज में खड़े होकर पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में काजोल कई पोज देकर फोटो खिंचवा रही हैं। काजोल और ट्विंकल जल्द ही नए शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल को होस्ट करती नजर आएंगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शो में कई बॉलीवुड हस्तियां शिरकत करेंगी, जिनमें सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, विक्की कौशल, गोविंदा, और जाह्नवी कपूर जैसे कई स्टार्स शामिल होंगे। शो का प्रीमियर 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा। काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह फिर से कोर्टरूम ड्रामा द ट्रायलः प्यार कानून धोखा के दूसरे सीजन में नोयोनिका सेनगुप्ता के किरदार को जीवंत करती नजर आएंगी।

अमीषा पटेल ने खोले बॉलीवुड इंडस्ट्री के राज

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

अमीषा पटेल ने खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है। हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मेंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं।

साभार एजेंसी

यूईएफए सीएलः

कार्वाजाल की इस शर्मनाक हरकत के बावजूद मार्सिले के खिलाफ जीता रियल मैड्रिड

मैड्रिड, एजेंसी। मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया।

चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मैच में रियल मैड्रिड के अनुभवी डिफेंडर दानी कार्वाजल को मार्सिले के गोलकीपर गेरोनिमो रूली को सिर से टक्कर मारने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया।

कार्वाजाल को मिला रेड कार्ड

मैच के दौरान, मैड्रिड की कॉर्नर किक से पहले कार्वाजल और रूली के बीच बहस हो रही थी। तभी कार्वाजल गोलकीपर के पास गए और उनके चेहरे पर सिर दे मारा। रेफरी ने यह घटना मौके पर नहीं देखी, लेकिन मार्सिले के खिलाड़ियों ने तुरंत आपत्ति दर्ज कराई। वीडियो रिव्यू के बाद, रेफरी ने 72वें मिनट में कार्वाजल को लाल कार्ड दिखाया। उस समय कार्वाजल ने चोटिल ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड की जगह पांचवें मिनट में मैच में प्रवेश किया था। घटना के समय स्कोर 1-1 था।

एम्बाप्पे के दो गोल से मैड्रिड जीता

मैच में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे रियल मैड्रिड ने मार्सिले को 2-1 से हराया। मार्सिले की ओर से टिमोथी वीह ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी, लेकिन एम्बाप्पे ने 29वें और 81वें मिनट में पेनल्टी गोल कर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ, रियल मैड्रिड 15 बार के चैंपियन के रूप में 1990 के दशक में प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने के बाद 200 जीत तक पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। एमबाप्पे ने अब 64 मैचों में 50 गोल कर लिए हैं।

चाईना मास्टर्सः

सात्विक और चिराग चाइना मास्टर्स के अंतिम 16 में, लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

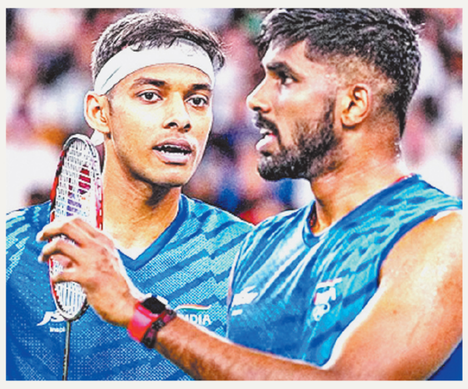

शेनजेन, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई, जबकि लक्ष्य सेन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। पिछले सप्ताह हॉन्गकॉन्ग ओपन में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 42 मिनट में 24-22, 21-13 से हराया।

वहीं, हॉन्गकॉन्ग ओपन फाइनल में हारने वाले लक्ष्य टोमा जूनियर पोपोव से 30 मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 10-21 से हार गए। इसके साथ ही पुरूष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई चूंकि आयुष शेट्टी पहले ही दौर में हार गए थे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी मिश्रित युगल में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 19-21, 13-21 से हार गई। महिला एकल में पी वी सिंधू प्री क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी।

वाह बधाइयां!

वरुण चक्रवर्ती बने आईसीसी टी-20 रैंकिंग में नंबर वन

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम जहां एशिया कप 2025 में सीना ताने आगे बढ़ रही है और यूएई के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया तो दूसरी ओर, उसके मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को रिटर्न गिफ्ट मिल गया है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर का मजाक उड़ाने वाले फहीम अशरफ का शिकार बरने वाला भारतीय गेंदबाज आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज बन गया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा है। लिस्ट में टॉप-10 गेंदबाजों में भारत के रवि बिश्नोई भी हैं, जो 8वें नंबर पर हैं। लेटेस्ट रैंकिंग के अनुसार, कोलकाता नाइटराइडर्स के गेंदबाज के पास 733 रेटिंग पॉइंट है और वह पहली बार नंबर वन गेंदबाज बने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज जैकब डफी के 717 रेटिंग पॉइंट हैं। वेस्टइंडीज के तीसरे नंबर वन अकील हुसैन, जबकि चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा हैं। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद 5वें नंबर पर हैं और श्रीलंकाई नुवान तुषारा छठे नंबर पर हैं। लिस्ट में आखिरी नंबर यानी 10वें नंबर पर अफगानिस्तान के करिश्माई स्पिनर राशिद खान हैं।

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग की टॉप-10 लिस्ट में कोई भी पाकिस्तानी गेंदबाज नहीं है। सुफियान मुकीम का नंबर 11वां है, जबकि भारत के अक्षर पटेल 12वें नंबर पर हैं। इस बीच भारतीय टीम को एशिया कप के आखिरी लीग मैच में 19 सितंबर को ओमान से भिड़ना है।

एशिया कप: बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराया

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 में मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में खुद को जिंदा रखा है। अफगानिस्तान को जीत के लिए 155 रन का लक्ष्य मिला था। अफगान टीम 20 ओवर में 146 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल शून्य और इब्राहिम जादरान 5 रन बनाकर आउट हुए। दोनों की असफलता अफगानिस्तान टीम की हार का कारण बनी। विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 35 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अजमतुल्लाह उमरजई ने 30 और कप्तान राशिद खान ने 20 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। बांग्लादेश के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। नासुम अहमद, तस्कीन अहमद और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 154 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाजों सैफ हसन और तंजीद हसन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 63 रन जोड़े। सैफ हसन 28 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए।

तंजीद हसन ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान लिटन दास 11 गेंद पर 9, शमीम हुसैन 11 गेंद पर 11 और तौहीद ह्रदोय 20 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। जाकेर अली और नुरूल हसन ने नाबाद 12-12 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए कप्तान राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। उमजरई ने 1 विकेट लिए।

वर्ल्ड एथलेटिक्स 2025: नीरज चोपड़ा ने फाइनल के लिए किया क्वालिफाई, पहले राउंड में ही फेंक दिया इतने मीटर भाला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार जैवलीन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स 2025 जैवलीन थ्रो इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। नीरज चोपड़ा ने पहले ही राउंड में 84.85 मीटर भाला फेंककर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। इस इवेंट का फाइनल 18 सितंबर यानी गुरुवार को होगा।

डिफेंडिंग चैंपियन हैं नीरज चोपड़ा

नीरज चोपड़ा को इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने के लिए 84.50 मीटर भाला फेंकना था और उन्होंने पहले ही राउंड में इस बाधा को पार करते हुए ये उपलब्धि अपने नाम कर ली। नीरज चोपड़ा मौजूदा समय में भारतीय एथलीट विश्व चैंपियनशिप में जैवलीन थ्रो इवेंट के विजेता हैं और साल 2023 में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। नीरज चोपड़ा इस इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं और वे जान जेलेज़्नी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) के बाद इतिहास में वर्ल्ड जैवलिन टाइटल को लगातार दो बार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। नीरज ने साल 2023 में 88.17 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता था, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम 87.82 मीटर थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे जबकि और याकुब वडलेच (86.67 मीटर थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, सिर्फ इतनी गेंदों में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है। 36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया।

अगर लिवरपूल में पदक नहीं मिलता तो फिर कोशिश नहीं करती: पूजा रानी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने सोच लिया था कि अगर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में चौथी बार खेलते हुए वह पदक नहीं जीत पाती तो दोबारा कोशिश नहीं करेंगी । लेकिन भिवानी की 34 वर्षीय इस मुक्केबाज को लिवरपूल में 80 किलो वर्ग में पोडियम पर खड़े होने का मौका मिला। तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी पूजा ने कहा, इस बार भी मैने खुद से कहा था कि अगर नहीं जीती तो दोबारा नहीं खेलूंगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा अपना शत प्रतिशत देती हूं लिहाजा हारने पर दिल टूट जाता है । मैने पिछले चार पांच महीने से कडा अभ्यास किया था और मुझे खुशी है कि मेहनत रंग लाई। मैं मार्च में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से ही अभ्यास कर रही हूं। चार बार एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीत चुकी पूजा सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्कीथ से हार गई लेकिन कांस्य पदक जीता। इस पर उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं । यह मेरी चौथी विश्व चैम्पियनशिप थी और मैने पहली बार पदक जीता । यह खास है। कुछ साल पहले कंधे की चोट और एक बड़े टूर्नामेंट से ठीक पहले हाथ जलने के कारण पूजा के कैरियर पर खतरा पैदा हो गया था लेकिन उसने तोक्यो ओलंपिक से पहले वापसी की। पूजा ने 2019 और 2021 एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते हालांकि तोक्यो में वह 75 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गई। फिर मई 2022 में पिता के निधन के बाद उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप खेली लेकिन ब्रेक ले लिया। फिर 2023 की शुरूआत में उनका विवाह हुआ और एक साल बाद रिंग पर लौटकर उन्होंने राष्ट्रीय खिताब जीता। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक में 75 किलो वर्ग में जगह बना चुकी थी। पूजा ने पिछला एक साल 75 किलो से 80 किलो में जाने पर लगाया। अब उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक चक्र पर है। उन्होंने कहा, मैं सोच रही हूं कि अब 70 किलोवर्ग में चली जाऊं।

पाकिस्तान ने मोहम्मद यूसुफ का करियर किया था तबाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान पर अपनी बदजुबानी से सुर्खियों में आया पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ का विवादों का लंबा इतिहास रहा है। इतिहास के गर्त में जाएंगे तो पता चलेगा कि यूसुफ पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक के साथ मिलकर टीम में गुटबाजी किया करता था। यही वजह है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सफल बल्लेबाज होने के बावजूद मोहम्मद यूसुफ का करियर बर्बाद करने से पीछे नहीं हटा। यूसुफ का करियर 35 साल की उम्र में ही खत्म हो गया था।

2010 ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान ने यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ, शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी को दी थी सजाः दरअसल, 2010 में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी। इस दौरे पर यहां से शर्मसार होना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा था। पाकिस्तान के लिए कप्तानी कर रहे मोहम्मद यूसुफ सहित सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन शर्मनाक था, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हरकत में आ गया था।

डर्टी गेम में शाहिद अफरीदी-शोएब मलिक थे क्राइम पार्टनर

उसने कोचिंग स्टाफ और टीम मैनेजर से इनपुट लेने के बाद यूसुफ पर लाइफ टाइम का बैन लगाया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व कप्तानों यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ पर देश के लिए खेलने पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था, जबकि शोएब मलिक, राणा नावेद-उल-हसन पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जांच के बाद लिया था फैसलाः ऑस्ट्रेलिया में मिली हार के बाद जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार, अकमल बंधुओं (कामरान और उमर) और शाहिद अफरीदी पर दौरे में अनुशासनहीनता के लिए 20-30 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 6 महीने के लिए प्रोबेशन पर डाल दिया गया था।

इससे दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों यूनिस (32) और यूसुफ (35) के अंतरराष्ट्रीय करियर का करियर लगभग खत्म ही हो गया था। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान टीम को वनडे में 5-0, टेस्ट में 3-0 और इकलौता टी20 इंटरनेशनल मैच अपने नाम किया था। इस पूरे दौरे पर टेस्ट कप्तान यूसुफ, शाहिद अफरीदी और शोएब मलिक का टीम में व्यवहार सुर्खियों में रहा था।

पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ली, पाइक्रॉफ्ट मामले में आईसीसी से फिर लगाई गुहार

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान ने एशिया कप के बहिष्कार की धमकी वापिस ले ली है लेकिन मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को लेकर उसका ऐतराज बरकरार है और पीसीबी ने टीम के बाकी मैचों में जिम्बाब्वे के इस मैच रैफरी की जगह रिची रिचर्डसन को जिम्मेदारी देने की मांग की है। समझा जाता है कि मंगलवार की देर शाम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक और ईमेल लिखकर पाइक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग की है जिसे अभी तक आईसीसी ने माना नहीं है। पाइक्रॉफ्ट को पाकिस्तान और यूएई के बीच आज शाम को होने वाले मैच में भी रैफरिंग करनी है। विवाद की शुरूआत तब हुई जब कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत भारतीय टीम ने रविवार को मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा मैच के बाद पुरस्कार समारोह में नहीं आए। पीसीबी ने इस विवाद के लिए पाइक्रॉफ्ट को दोषी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने सलमान से कहा कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाए और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान प्रदान भी नहीं करने दिया।

राहुल गांधी का आरोप : वोट डिलीट कराने का दावा और चुनाव आयोग का जवाब

-EC बोला- आरोप झूठे, नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं होते

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को फिर एक बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश की चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थकों और खासतौर पर कर्नाटक सहित कुछ राज्यों के वोटर्स के नाम चुनावी सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। राहुल का दावा था कि चुनाव आयोग की मौन सहमति और कुछ ताकतवर लोगों की साजिश से यह "वोट चोरी" हो रही है। यह कोई पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी ने इस तरह के आरोप लगाए हों। इससे पहले भी 7 अगस्त को उन्होंने प्रेस से बात करते हुए चुनाव आयोग पर इसी तरह के सवाल खड़े किए थे। मगर इस बार उन्होंने केवल बयान ही नहीं दिया बल्कि कुछ उदाहरण पेश करने की कोशिश भी की।

राहुल का 31 मिनट का प्रजेंटेशन

राहुल गांधी ने अपने प्रजेंटेशन में कहा कि उन्होंने "वोट चोरी" के सबूत इकट्ठे किए हैं। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग कांग्रेस समर्थक वोटर्स को टारगेट कर सूची से बाहर कर रहा है। राहुल ने यहां तक कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद करने का काम किया है। उनका आरोप था कि यह खेल केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है बल्कि महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी चल रहा है। राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक से आए कुछ ऐसे वोटर्स को मंच पर बुलाया जिनके नाम कथित रूप से वोटर लिस्ट से गायब हो गए थे। उन्होंने कहा – "ये लोग खुद इसका सबूत हैं कि हमारे देश में वोट चोरी हो रही है और चुनाव आयोग इसमें शामिल है।"

कांग्रेस का आरोप और उसका राजनीतिक संदेश

कांग्रेस पार्टी लगातार यह आरोप लगाती रही है कि बीजेपी चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है। राहुल गांधी के ताजा बयान ने इस बहस को और तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को कमजोर करने के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल का यह प्रजेंटेशन चुनावी राज्यों में एक तरह से कांग्रेस समर्थकों को सतर्क करने और सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति है। साथ ही, विपक्षी गठबंधन "इंडिया" के भीतर अपनी भूमिका को मज़बूत करने की कोशिश भी।

चुनाव आयोग का पलटवार

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों को पूरी तरह निराधार और गलत बताया। आयोग ने साफ कहा कि वोटर लिस्ट से किसी का नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं किया जा सकता। इसके लिए तय नियम और प्रक्रिया होती है जिसमें फील्ड वेरिफिकेशन और फॉर्मल नोटिस शामिल हैं। आयोग ने यह भी कहा कि किसी भी राज्य में इस तरह की गतिविधियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और अगर किसी को शिकायत है तो वह कानूनी प्रक्रिया के तहत अपील कर सकता है। चुनाव आयोग का यह बयान राहुल के आरोपों को सीधा खारिज करता हुआ दिखाई दिया।

लोकतंत्र और पारदर्शिता पर सवाल

इस पूरे विवाद ने एक बार फिर भारत की चुनावी प्रक्रिया और उसकी पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत का चुनाव आयोग लंबे समय से अपनी निष्पक्षता के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में विपक्षी दल लगातार उस पर सवाल उठा रहे हैं। अगर वाकई वोटर्स के नाम बिना जानकारी के सूची से हटाए जा रहे हैं तो यह न सिर्फ संवैधानिक अधिकार का हनन है बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला कदम है। वहीं, अगर ये आरोप निराधार हैं तो फिर यह विपक्ष का केवल राजनीतिक हथकंडा माना जाएगा, जिससे जनमानस में भ्रम फैल सकता है।

जनता की चिंता और असल मुद्दा

वोट डालना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आम जनता के लिए यह चिंता का विषय है कि कहीं उनका नाम भी वोटर लिस्ट से गायब न हो जाए। खासकर शहरी इलाकों में पहले भी ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि कई बार बिना जानकारी के नाम काट दिए जाते हैं। राहुल गांधी ने जिन वोटर्स को मंच पर बुलाया, उन्होंने भी यही दावा किया कि उन्होंने नियमित रूप से वोट दिया है और कभी नाम हटाने के लिए आवेदन नहीं किया। अगर ऐसा वाकई है, तो यह जांच का विषय होना चाहिए।

नतीजा और आगे का रास्ता

राहुल गांधी के आरोपों ने एक बार फिर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। चुनाव आयोग भले ही इन आरोपों को गलत ठहरा रहा हो, लेकिन सच्चाई जानने के लिए एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की ज़रूरत महसूस होती है। कांग्रेस चाहती है कि यह मुद्दा जनता तक पहुंचे ताकि वोटर सतर्क रहें और चुनाव आयोग पर दबाव बने। वहीं, बीजेपी और सत्ता पक्ष इन आरोपों को "नाटक" बताकर खारिज कर रहे हैं। अंततः यह मामला केवल राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विश्वसनीयता और आम नागरिक के अधिकारों से जुड़ा है। अगर चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ तो यह पूरे तंत्र के लिए गंभीर चुनौती होगी। राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट से नाम कटने के मामले को जोर-शोर से उठाया है और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

DUSU चुनाव में बवाल: किरोड़ीमल कॉलेज में NSUI-ABVP कार्यकर्ताओं की झड़प

-छात्रा ने मौजूदा अध्यक्ष पर मारपीट का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) चुनाव राजधानी के सबसे चर्चित छात्र राजनीति के आयोजनों में गिना जाता है। हर साल की तरह इस बार भी मतदान को लेकर उत्साह के साथ-साथ तनाव और आरोप-प्रत्यारोप का माहौल देखने को मिला। गुरुवार को किरोड़ीमल कॉलेज में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प हो गई। मामला इतना बढ़ा कि छात्राओं के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट तक की नौबत आ गई।

छात्रा का आरोप: मौजूदा अध्यक्ष ने की मारपीट

घटना की शुरुआत तब हुई जब एक छात्रा ने मौजूदा DUSU अध्यक्ष रौनक खत्री पर आरोप लगाया कि वे अपने साथ बाहरी लोगों को कॉलेज कैंपस में लेकर आए और विरोध करने पर उन्होंने धक्का देकर गिरा दिया। छात्रा के मुताबिक, "मैंने और मेरी साथियों ने सवाल उठाया कि कैंपस में बाहरी लोग क्यों आए हैं। इसी पर रौनक खत्री ने मुझे धक्का मारकर नीचे गिरा दिया और फिर पैर से मारते हुए बाहर निकल गए। मेरे साथ आईं अन्य छात्राओं से भी धक्का-मुक्की की गई।" यह आरोप लगते ही पूरे कैंपस में हंगामा खड़ा हो गया। NSUI समर्थकों ने ABVP के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, वहीं ABVP ने इसे सियासी साजिश बताया।

NSUI प्रत्याशी का आरोप: धांधली हो रही है

इस मामले को और भड़काते हुए NSUI की उम्मीदवार जोशलिन नंदिता चौधरी ने चुनाव प्रक्रिया में धांधली के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि "EVM पर ABVP अध्यक्ष पद के प्रत्याशी आर्यन मान के नाम के आगे पहले से ही स्याही लगाई गई है। यह साफ दर्शाता है कि चुनाव में गड़बड़ी की जा रही है और छात्रों की स्वतंत्र पसंद पर हमला किया जा रहा है।" उनके अनुसार, इस तरह की हेराफेरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को ठेस पहुँचाने वाली है और यदि इसकी जांच नहीं हुई तो पूरे चुनाव की विश्वसनीयता संदिग्ध हो जाएगी।

ABVP का पलटवार: NSUI कर रही है झूठा प्रचार

दूसरी ओर ABVP ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। ABVP का कहना है कि NSUI हार की आशंका से बौखला गई है और झूठे आरोप गढ़ रही है। संगठन ने दावा किया कि मौजूदा अध्यक्ष रौनक खत्री पर लगाए गए मारपीट के आरोप निराधार हैं। ABVP कार्यकर्ताओं का कहना है कि "यह सब NSUI की ओर से सियासी ड्रामा है। असलियत यह है कि NSUI खुद गड़बड़ी कर रही है और पकड़े जाने पर blame game खेल रही है।"

चुनावी माहौल में बढ़ा तनाव

इस घटना ने पूरे DUSU चुनावी माहौल को गर्मा दिया है। पहले से ही NSUI और ABVP के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी था, लेकिन किरोड़ीमल कॉलेज की इस घटना ने दोनों संगठनों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। छात्र संघ चुनावों में इस तरह की झड़पें नई नहीं हैं, लेकिन इस बार जिस तरह छात्राओं के साथ मारपीट के आरोप लगे हैं, उसने विवाद को और गहरा कर दिया है।

प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। सवाल उठ रहा है कि आखिर कैसे बाहरी लोग कैंपस में घुस आए? सुरक्षा चाक-चौबंद होने के दावे के बावजूद छात्राओं के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट जैसी घटनाएं चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर रही हैं। चुनाव आयोग और विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। यदि ऐसा नहीं हुआ तो छात्रों का भरोसा इस चुनावी प्रक्रिया से उठ सकता है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर

DUSU चुनाव केवल कॉलेज या यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रहते बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी इसका असर माना जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से कई बड़े नेताओं ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की है। यही कारण है कि छात्र संगठनों के बीच इन चुनावों को लेकर इतना उत्साह और संघर्ष देखने को मिलता है। लेकिन यदि चुनावी प्रक्रिया हिंसा, धांधली और गड़बड़ी के आरोपों से घिर जाएगी तो यह न केवल विश्वविद्यालय की छवि को नुकसान पहुँचाएगा बल्कि छात्र राजनीति में लोकतांत्रिक मूल्यों की आस्था को भी कमजोर करेगा। किरोड़ीमल कॉलेज की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि छात्र राजनीति में प्रतिस्पर्धा जब हिंसा का रूप ले लेती है, तो लोकतांत्रिक परंपरा का मज़ाक बन जाता है। एक ओर छात्राओं पर हमले का आरोप है तो दूसरी ओर धांधली और वोट की हेराफेरी की शिकायतें। दोनों संगठनों के बीच यह संघर्ष दिखाता है कि जीत-हार की होड़ में छात्र हित और लोकतांत्रिक मर्यादाएं कहीं पीछे छूट जाती हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाता है और क्या चुनाव आयोग आरोपों की जांच कर सख्ती से नियम लागू कर पाता है या नहीं। फिलहाल, छात्रों की निगाहें नतीजों के साथ-साथ इन आरोपों की सच्चाई पर भी टिकी हुई हैं।

रोहतास में अमित शाह का हमला : राहुल की यात्रा को बताया 'घुसपैठिया बचाओ अभियान'

-लालू-राबड़ी बिहार के विकास के लिए खतरा: शाह

रोहतास (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बिहार के रोहतास ज़िले में आयोजित एक बड़े कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर तीखा हमला बोला। शाह ने अपने भाषण की शुरुआत कार्यकर्ताओं को "मालिक" कहकर की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का रास्ता खुला रहता है। शाह ने कहा कि वे भी कभी बूथ अध्यक्ष रहे हैं और कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से ही आज संगठन इतनी बड़ी ताकत बन सका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आने वाले चुनाव में 80 फीसदी सीटें जीतने का संकल्प लेकर घर लौटें।

लालू-राबड़ी पर हमला

अमित शाह ने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी बिहार को समृद्ध और विकसित बना सकते हैं? शाह ने खुद ही जवाब देते हुए कहा कि ये नेता केवल अपने परिवार और नज़दीकियों के लिए काम करते हैं। उनके शासनकाल में बिहार ने पिछड़ापन झेला है और भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हुईं। उन्होंने कहा कि आज भी अगर बिहार को आगे बढ़ाना है तो परिवारवादी राजनीति को खत्म करना होगा।

राहुल गांधी की यात्रा पर तंज

केंद्रीय गृहमंत्री ने राहुल गांधी की हालिया यात्रा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा यात्रा करके गए, लेकिन उस यात्रा का विषय रोजगार, शिक्षा, सड़क और बिजली नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने "घुसपैठिया बचाओ यात्रा" निकाली थी। शाह ने सवाल करते हुए कहा कि क्या बिहार में किसी का वोट काटा गया है? फिर उन्होंने खुद ही कहा कि असल में कांग्रेस और आरजेडी जैसी पार्टियां बांग्लादेश से आए घुसपैठियों को बचाने का एजेंडा चला रही हैं।

3 तिहाई बहुमत का लक्ष्य

अमित शाह ने कहा कि इस बार का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है, बल्कि 3 तिहाई से ज्यादा बहुमत से सरकार बनाने का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि बिहार की जनता नरेंद्र मोदी पर विश्वास करती है और अब संगठन की जिम्मेदारी है कि इस विश्वास को वोट में तब्दील किया जाए। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि संकल्प लेकर जाएं—मोदी जी के नेतृत्व में बिहार में पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी है।

बेगूसराय में भी होगा संबोधन

रोहतास के बाद शाह बेगूसराय भी रवाना होंगे, जहां वे कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। बिहार में भाजपा का फोकस आगामी चुनावों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और विपक्षी दलों पर लगातार प्रहार करने पर है। शाह के भाषण ने साफ कर दिया कि भाजपा अपने चुनावी अभियान में कांग्रेस और राजद को घेरने की रणनीति पर काम कर रही है।

ब्रिटेन में ट्रम्प के राजकीय दौरे का विरोध: हजारों लोग सड़कों पर उतरे

-नारेबाजी और रैली से गूंजी लंदन की सड़कों

लंदन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जहां भी विदेश यात्रा पर जाते हैं, वहां उनका स्वागत और विरोध दोनों देखने को मिलता है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भी उनके राजकीय दौरे के दौरान ठीक यही नज़ारा सामने आया। हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और खुले तौर पर ट्रम्प की नीतियों तथा उनके बयानों के खिलाफ नारे लगाए। यह विरोध केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें सामाजिक, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय नीतियों से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए।

विरोध की शुरुआत और आयोजन

लंदन की सड़कों पर हुए इस विरोध प्रदर्शन को 'स्टॉप ट्रम्प कोएलिशन' नामक संगठन ने आयोजित किया। इस संगठन ने पहले से ही सोशल मीडिया और सार्वजनिक स्थानों पर इस विरोध की तैयारी कर ली थी। इसमें 50 से अधिक यूनियन, सामाजिक और मानवाधिकार से जुड़े संगठन भी शामिल हुए। यह विरोध मार्च लंदन के पोर्टलैंड प्लेस से शुरू हुआ और सीधे संसद भवन चौराहे (पार्लियामेंट स्क्वायर) तक पहुंचा। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, करीब 5000 लोग इस रैली का हिस्सा बने। इतनी बड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा इंतज़ाम पुख्ता करने पड़े। इसके लिए 1600 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

प्रदर्शनकारियों के नारे और तख्तियां

विरोध में शामिल लोगों ने अपने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर विभिन्न संदेश लिखे गए थे। इनमें प्रमुख थे – "ट्रम्प नॉट वेलकम" (ट्रम्प का स्वागत नहीं है) "नो टू रेसिज्म" (नस्लभेद नहीं चलेगा) "स्टॉप आर्मिंग इजराइल" (इजराइल को हथियार देना बंद करो) इन नारों और संदेशों से साफ था कि यह विरोध केवल ट्रम्प की शख्सियत के खिलाफ नहीं था, बल्कि उनकी नीतियों पर भी गहरा असंतोष मौजूद था। विशेष रूप से, अमेरिका द्वारा इजराइल को दिए जाने वाले सैन्य समर्थन के खिलाफ लोगों ने गुस्सा जताया।

'ट्रम्प बेबी ब्लिम्प' की मौजूदगी

इस विरोध का सबसे अनोखा और प्रतीकात्मक हिस्सा था – 'ट्रम्प बेबी ब्लिम्प'। यह गुब्बारा-नुमा कॉस्ट्यूम ट्रम्प को एक छोटे, गुस्सैल बच्चे के रूप में दर्शाता है, जो डायपर पहने होता है। यह पहली बार 2019 में मशहूर हुआ था और तब से ट्रम्प के हर बड़े विरोध प्रदर्शन में दिखने लगा। इस बार भी प्रदर्शनकारी इसे अपने साथ लेकर पहुंचे, जिससे माहौल और भी प्रतीकात्मक हो गया। यह कॉस्ट्यूम ट्रम्प की राजनीति और उनके विवादित बयानों का मज़ाक उड़ाने का माध्यम बना।

विरोध के कारण

लंदन में हुए इस बड़े विरोध के पीछे कई वजहें थीं –

नस्लभेदी बयानों का विरोध: ट्रम्प पर अक्सर नस्लभेदी और मुस्लिम विरोधी बयान देने के आरोप लगे। उनकी आव्रजन नीतियां और अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने का फैसला ब्रिटेन समेत पूरी दुनिया में आलोचना का विषय रहा।

महिला विरोधी टिप्पणियां: ट्रम्प के कई बयानों को महिला विरोधी माना गया। ब्रिटेन की नारीवादी संस्थाओं ने भी इसी कारण इस विरोध को समर्थन दिया।

पर्यावरण नीतियों का विरोध: ट्रम्प के राष्ट्रपति कार्यकाल में अमेरिका ने पेरिस जलवायु समझौते से खुद को अलग कर लिया था। इसे लेकर पर्यावरण संगठनों में भारी नाराज़गी थी, और इस विरोध में उन्होंने भी भाग लिया।

इजराइल को सैन्य मदद: अमेरिका की विदेश नीति, खासकर इजराइल को लगातार सैन्य मदद और फिलिस्तीन के मुद्दे पर ट्रम्प का झुकाव, प्रदर्शनकारियों की नाराज़गी का एक अहम कारण बना।

ब्रिटेन सरकार का रुख

ब्रिटिश सरकार ने डोनाल्ड ट्रम्प को राजकीय दौरे पर आमंत्रित कर उनका स्वागत किया था।

सऊदी अरब–पाकिस्तान रक्षा समझौता: हमले को साझा चुनौती मानेंगे

-परमाणु हथियार का भी जिक्र

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए रक्षा समझौते ने पूरे एशिया में नई बहस छेड़ दी है। इस समझौते की घोषणा बुधवार को तब हुई जब सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया। इसमें कहा गया कि अगर दोनों में से किसी एक देश पर हमला होता है तो उसे दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। इस तरह यह समझौता परस्पर सुरक्षा (Mutual Defence Pact) का रूप लेता है।

समझौते की मुख्य बातें

परस्पर रक्षा प्रतिबद्धता – अगर सऊदी अरब पर हमला हुआ तो पाकिस्तान इसे अपने खिलाफ हमला मानेगा और इसका जवाब देगा। यही स्थिति पाकिस्तान पर हमले की स्थिति में भी होगी।
परमाणु हथियार का उल्लेख – मीडिया रिपोर्ट्स (रॉयटर्स) के मुताबिक, इस समझौते में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना भी शामिल है। यह बिंदु सबसे ज्यादा विवादास्पद है क्योंकि इससे पश्चिम एशिया की सुरक्षा संरचना पर गहरा असर पड़ सकता है।
रक्षा सहयोग का विस्तार – दोनों देशों ने रक्षा उद्योग, सैन्य प्रशिक्षण, हथियारों की आपूर्ति और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। शांति और स्थिरता का दावा – सऊदी प्रेस एजेंसी ने इसे "विश्व शांति और क्षेत्रीय सुरक्षा" को मजबूत करने वाला कदम बताया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्ते दशकों पुराने हैं। पाकिस्तान, सऊदी अरब को हमेशा "इस्लामी दुनिया का नेतृत्वकर्ता" मानता रहा है। 1970–80 के दशक में पाकिस्तान ने सऊदी अरब को सैन्य ट्रेनिंग और सैनिक उपलब्ध कराए थे। कई बार चर्चाएं हुईं कि पाकिस्तान जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब को "न्यूक्लियर छतरी" (nuclear umbrella) देगा। 1990 के दशक में जब पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किए, तो कहा गया कि इसमें सऊदी की आर्थिक मदद भी रही। इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को देखते हुए मौजूदा समझौता कोई अचानक उठाया गया कदम नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी की कड़ी है।

भारत की प्रतिक्रिया

भारत सरकार ने इस समझौते पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि "हमें इसकी पहले से जानकारी थी"। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संकेत दिया कि भारत इस समझौते को लेकर किसी प्रकार की अचानक चिंता में नहीं है। भारत के लिए पाकिस्तान–सऊदी समझौता नया मोड़ जरूर है, लेकिन दोनों देशों की निकटता पहले से किसी रहस्य की तरह नहीं थी। भारत की कूटनीति का फोकस फिलहाल ईरान, खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ अपने रिश्तों पर है। भारत यह संदेश देना चाहता है कि उसकी तैयारी पहले से थी और उसे अचानक कोई खतरा महसूस नहीं हो रहा।

संभावित क्षेत्रीय असर

ईरान की चिंता – सऊदी अरब का पाकिस्तान से रक्षा समझौता ईरान को असहज कर सकता है। ईरान और पाकिस्तान की सीमाएं जुड़ी हैं और हाल ही में दोनों के बीच सीमाई संघर्ष भी हुआ था।
मध्य एशिया और खाड़ी राजनीति – यह समझौता पश्चिम एशिया में "न्यूक्लियर शैडो" की नई शुरुआत कर सकता है। अगर पाकिस्तान का परमाणु जखीरा सऊदी अरब के लिए "छतरी" का काम करेगा तो ईरान, तुर्की और इजरायल जैसे देश अपनी रणनीतियों में बदलाव करेंगे। भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव – पाकिस्तान, भारत का परंपरागत विरोधी है। ऐसे में अगर सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खुलेआम "सैन्य सहयोग" करता है, तो इससे भारत की खाड़ी क्षेत्र में कूटनीतिक चालों पर असर पड़ सकता है। अमेरिका और चीन का दृष्टिकोण – अमेरिका सऊदी अरब का पारंपरिक सहयोगी है, लेकिन हाल के वर्षों में चीन ने भी सऊदी में गहरी पैठ बनाई है। पाकिस्तान पहले से ही चीन का करीबी है। ऐसे में यह समझौता वॉशिंगटन–बीजिंग की प्रतिद्वंद्विता का हिस्सा बन सकता है।

ट्रम्प ने 23 देशों को ड्रग तस्कर बताया, भारत-PAK भी लिस्ट में शामिल

-अमेरिका में फेंटेनाइल से नेशनल इमरजेंसी जैसे हालात

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बड़ी घोषणा करते हुए भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन और कई लैटिन अमेरिकी देशों को उस सूची में शामिल किया है जिन्हें ड्रग तस्करी और अवैध ड्रग उत्पादन में शामिल बताया गया है। सोमवार को अमेरिकी संसद में पेश की गई 'प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन रिपोर्ट' में ट्रम्प ने साफ कहा कि ये देश खतरनाक केमिकल और ड्रग्स के निर्माण और सप्लाई में भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी वजह से अमेरिका में पब्लिक हेल्थ पर संकट खड़ा हो गया है।

23 देशों की सूची में भारत भी शामिल

रिपोर्ट में कुल 23 देशों का नाम दर्ज है, जिनमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, कोलंबिया, बोलिविया, वेनेजुएला, मैक्सिको और कुछ अन्य अफ्रीकी व लैटिन अमेरिकी देश शामिल हैं। इन पर आरोप है कि इनके इलाकों से अवैध ड्रग्स का उत्पादन और तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है, जो अमेरिकी बाजार तक पहुँच रही है। ट्रम्प ने अपने बयान में कहा कि "ये देश सीधे तौर पर अमेरिकी समाज और युवाओं के जीवन के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।" खासतौर पर फेंटेनाइल और उसके जैसे सिंथेटिक ड्रग्स ने अमेरिका में नेशनल इमरजेंसी जैसे हालात बना दिए हैं।

अमेरिका में फेंटेनाइल का कहर

फेंटेनाइल एक अत्यधिक शक्तिशाली सिंथेटिक ड्रग है, जो अक्सर अवैध रूप से तैयार होकर बाजार में पहुँचती है। ट्रम्प ने कहा कि इस ड्रग की वजह से अमेरिका में मौतों की दर तेजी से बढ़ रही है। आंकड़ों के अनुसार, 18 से 44 साल के अमेरिकी नागरिकों की मौत का सबसे बड़ा कारण ड्रग ओवरडोज़ है, जिसमें फेंटेनाइल अहम भूमिका निभा रहा है। अमेरिकी हेल्थ एजेंसियों की रिपोर्ट बताती है कि हर साल हजारों अमेरिकी नागरिक इन खतरनाक ड्रग्स की वजह से अपनी जान गंवा रहे हैं। ट्रम्प ने इसे "पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी" की संज्ञा दी और कहा कि ड्रग तस्करी अब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी बड़ा खतरा है।

भारत और पाकिस्तान पर निशाना

ट्रम्प प्रशासन ने खासतौर पर भारत और पाकिस्तान का नाम लेकर कहा कि यहां से बनने वाले कुछ फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स और सिंथेटिक ड्रग्स गलत नेटवर्क के ज़रिए अमेरिका तक पहुँचते हैं। पाकिस्तान के संदर्भ में अफगानिस्तान से आने वाली अफीम और हेरोइन की सप्लाई का जिक्र किया गया। वहीं भारत के लिए कुछ रसायनों और प्रीकर्सर केमिकल्स के अवैध इस्तेमाल की बात कही गई। हालांकि भारत पहले भी कई बार कह चुका है कि वह अवैध ड्रग तस्करी को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) और अन्य एजेंसियां लगातार कार्रवाई करती रही हैं। लेकिन अमेरिकी रिपोर्ट ने संकेत दिया कि मौजूदा प्रयास पर्याप्त नहीं हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,